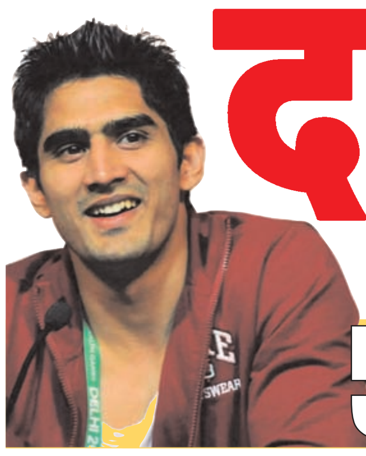

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 निजी कोच की मांग करना खिलाड़ियों का अधिकार : विजेंदर

6 लांस नायक प्रेमपाल: साथियों की जान बचाने के लिए खुद को किया कुर्बान

7 रणवीर की नई फिल्म को लेकर उत्साहित हैं दीपिका पादुकोण

फर्स्ट टेक

लाओस ने जारी किया अयोध्या के रामलला पर डाक टिकट

वियनतिएन/एजेन्सी। दक्षिण पूर्वी एशिया के देश लाओस ने भारत के साथ अपने सभ्यतागत जुड़ाव को प्रदर्शित करते हुए विश्व का पहला ऐसा डाक टिकट जारी किया है जिसमें अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में विराजित रामलला की प्रतिमा दर्शाई गई है। लाओ पीडीआर की राजधानी वियनतिएन में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और लाओ पीडीआर के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री सेलुमक्से कोमासिथ ने ये विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किये। लाओ पीडीआर और भारत के बीच गहरे सभ्यतागत जुड़ाव को दर्शाने वाले दो टिकटों के इस स्टांप सेट में लाओस की प्राचीन राजधानी लुआंग प्रबांग शहर के भगवान बुद्ध और भगवान राम की पवित्र राजधानी अयोध्या के भगवान श्री राम को दर्शाया गया है।

इजराइल ने गाजा के स्कूल पर किए हवाई हमले

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। इजराइली हवाई हमले में शनिवार को मध्य गाजा में एक स्कूल को निशाना बनाया गया, जिससे बच्चों समेत कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। इस स्कूल में विस्थापित फलस्तीनियों ने शरण ली हुई थी। ये हमले ऐसे समय में हुए, जब फलस्तीन के वार्ताकार प्रस्तावित संघर्षविराम पर चर्चा के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों से मिलने की तैयारी कर रहे थे। इजराइली हमले में दीर अल-बलाह में एक स्कूल में शरण लिए हुए कम से कम 30 लोग घायल हो गए। घायलों को अल अक्सा अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में सात बच्चे और सात महिलाएं भी शामिल हैं।

विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी की घोषणा की

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे ने 21 सितंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए शनिवार को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। विक्रमसिंघे ने ही नकदी की कमी से जूझ रहे श्रीलंका को 2022 में दिवालियापन से स्थिरता की ओर ले जाने का जिम्मा संभाला था। श्रीलंका के निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को राष्ट्रपति चुनाव की तारीख की घोषणा की। चुनाव में किन प्रमुख उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा, इसपर महीनों से लगाई जा रही अटकलों का शनिवार को अंत हो गया।

28-07-2024	29-07-2024
सूर्यास्त 6:47 बजे	सूर्योदय 6:04 बजे

BSE	NSE
81,332.72	24,834.85
(+1,292.92)	(+428.75)

सोना	चांदी
7,076 रु.	83,654 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

प्रधानमंत्री मोदी ने नीति आयोग की नौवीं संचालन परिषद की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा

2047 में विकसित भारत का सपना होगा साकार

▪ सरकार और सभी नागरिकों का सामूहिक लक्ष्य दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निवेश आकर्षित करने के लिए नीति आयोग को 'निवेश-अनुकूल चार्टर' तैयार करने का निर्देश देते हुए शनिवार को कहा कि विकसित भारत का सपना विकसित राज्यों के माध्यम से साकार किया जा सकता है।

मोदी ने शनिवार को यहां नीति आयोग की नौवीं संचालन परिषद की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक राज्य और जिले को वर्ष 2047 के लिए एक दृष्टिकोण पत्र बनाना चाहिए ताकि विकसित भारत को साकार किया जा सके। उन्होंने युवाओं को रोजगार के लिए तैयार में उनके कौशल और प्रशिक्षण पर जोर दिया और कहा कि विकासशील भारत के लिए प्राथमिकता के रूप में शून्य गरीबी का लक्ष्य रखना चाहिए।

बैठक में प्रधानमंत्री ने नीति आयोग को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सुझावों का अध्ययन करने का निर्देश भी दिया। मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में 20 राज्यों के मुख्यमंत्रियों और छह केंद्र शासित प्रदेशों के उप राज्यपालों ने भाग लिया।

मोदी ने कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में स्थिर विकास हासिल किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 तक के अंत तक पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। अब सरकार और सभी नागरिकों का सामूहिक लक्ष्य दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में हमारे देश ने सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करके बहुत प्रगति की है। पहले मुख्य रूप से आयात-आधारित देश होने के बाद, भारत अब दुनिया को कई उत्पाद निर्यात करता है। देश ने रक्षा, अंतरिक्ष, स्टार्ट-अप और खेल जैसे व्यापक क्षेत्रों में विश्व मंच पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन का दशक है जो विभिन्न क्षेत्रों में बहुत सारे अवसर लेकर आया है। उन्होंने राज्यों को इन अवसरों का लाभ उठाने और नीति निर्माण तथा क्रियान्वयन में नवीन दृष्टिकोण के माध्यम से विकास के लिए अनुकूल नीतियां बनाने तथा शासन कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में

पाकिस्तानी 'बैट' का हमला नाकाम, सेना का जवान शहीद

एक कैप्टन सहित चार अन्य सैन्यकर्मी घायल

▪ मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया भी ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/श्रीनगर/भाषा। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के कमकारी सेक्टर में शनिवार को पाकिस्तान की 'बॉर्डर एक्शन टीम' (बीएटी) के हमले को नाकाम कर दिया। हालांकि, इस दौरान छिड़ी मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया और एक कैप्टन सहित चार अन्य सैन्यकर्मी घायल हो गए। सेना के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया भी मारा गया।

'बैट' में आम तौर पर पाकिस्तानी सेना के विशेष बल के जवान और आतंकवादी शामिल होते हैं।

एक सूत्र ने कहा, ''भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने आज सुबह कमकारी सेक्टर में 'बॉर्डर एक्शन टीम' के हमले को नाकाम कर दिया।'' उसने कहा, ''मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया।'' सूत्रों ने बताया कि घंटों चली भीषण गोलीबारी के बीच दो घुसपैठिये पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भाग गए। उन्होंने बताया कि तीन घुसपैठियों के समूह ने उत्तर कश्मीर जिले के त्रेहगाम सेक्टर में कुमकडी चौकी के पास अग्रिम चौकी पर ग्रेनेड फेंका और गोलीबारी की।

सूत्रों के मुताबिक, भारतीय सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में पांच जवान घायल हो गए, जिनमें से एक ने बाद में दम तोड़ दिया।

भगवान राम के संदर्भ को मिटाना चाहती है कांग्रेस : मालवीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक के रामनगर जिले का नाम बदल बेंगलूरु दक्षिण करने के मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला बोला है और कहा है कि भगवान राम के संदर्भ को मिटाने का यह एक और प्रयास है।

भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच

एक्स पर कहा, कर्नाटक में भगवान राम के संदर्भ को मिटाने का यह एक और प्रयास है। कांग्रेस ने पहले हलफनामे में भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया था और तब से उनका (कांग्रेस) अपना अस्तित्व सवालों के घेरे में आ गया है। कांग्रेस ऐसे फैसलों से अपनी ही मृत्युलेख लिख रही है। उन्होंने अपने पोस्ट के साथ एक अखबार की खबर को भी संलग्न किया है।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को राज्य के रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलुरु दक्षिण करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की अध्यक्षता में हुयी मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। राज्य सरकार के इस फैसले को लेकर राज्य में सियासी घमासान शुरू हो गया है।

नीता अंबानी ने ओलंपिक भारत लाने की वकालत की

मुंबई/पेरिस/एजेन्सी। रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता एम अंबानी ने ओलंपिक को

भारत में लाने की वकालत की है। श्रीमती अंबानी ने पेरिस में ओलंपिक खेल 2024 की शुरुआत के एक दिन बाद भारत के पहले कंट्री हाउस/इंडिया हाउस का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने पारंपरिक भारतीय तरीके से दीप प्रज्वलित करके इंडिया हाउस को शुरुआत की। इंडिया हाउस के महत्व पर श्रीमती अंबानी ने कहा, ओलंपिक के इतिहास में पहली बार बने इंडिया-हाउस में आपका स्वागत है। आज हम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में हम एक नया सपना देख रहे हैं एक ऐसा सपना जो 1.4 अरब भारतीयों का है। भारत को ओलंपिक में लाने का और ओलंपिक को भारत में लाने का एक साझा सपना। अब समय आ गया है कि एथेंस में पहली बार जलाई गई ओलंपिक ज्योति हमारी प्राचीन भूमि भारत में भी प्रज्वलित हो। वह दिन दूर नहीं जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। इंडिया हाउस के उद्घाटन पर यह हमारा सामूहिक संकल्प है।

'आतंकवाद का पूरी मजबूती से मुकाबला किया जाना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वियनतियाने (लाओस)/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सभी तरह के आतंकवाद का पूरी मजबूती से मुकाबला करने और आतंकी पनाहगाहों तथा आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को नष्ट करने का आह्वान किया।

जयशंकर ने यह टिप्पणी लाओस की राजधानी वियनतियाने में 31वें आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ) में की। उन्होंने अपने संबोधन के बारे में 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने को लेकर प्रतिबद्ध रहें, आतंकी पनाहगाहों और संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को नष्ट करें तथा साइबर अपराध से निपटें। एआरएफ बदलाव ला सकता है।''

जयशंकर ने कहा कि कोविड, संघर्ष और जलवायु आज दुनिया में व्याप्त समस्याओं को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा, ''समाधान केवल सहयोग - आर्थिक, राजनीतिक,

▪ आतंकी पनाहगाहों और संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को नष्ट करें तथा साइबर अपराध से निपटें।

तकनीकी और संपर्क के माध्यम से ही निकल सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि केवल अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही यह सुनिश्चित हो सकता है कि वैश्विक साझा संसाधन सुरक्षित रहें और वैश्विक वस्तुओं की आपूर्ति हो।

जयशंकर दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस की राजधानी में हैं। उन्होंने कहा कि भारत आसियान की एकता और हिंद-प्रशांत पर आसियान दृष्टिकोण (एओआईपी) तथा भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल और एओआईपी के बीच तालमेल का दृढ़ता से समर्थन करता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता तथा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के महत्व को मान्यता दिए जाने की आवश्यकता है। जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत आने वाले वर्षों में एआरएफ गतिविधियों में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है।

नासा के साथ संयुक्त मिशन में

आईएसएस की यात्रा करेगा एक गगनयान अंतरिक्ष यात्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा को बताया कि गगनयान मिशन के लिए प्रशिक्षण ले रहे चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के साथ सहयोगात्मक प्रयास के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाएगा।

सिंह ने एक प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि नासा ने निजी संस्था एक्सिओम स्पेस की पहचान की है और इसरो ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए संयुक्त मिशन के लिए अमेरिकी कंपनी के साथ अंतरिक्ष उड़ान समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन ने घोषणा की थी कि भारत और अमेरिका 2024 में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को आईएसएस पर भेजने के लिए सहयोग कर रहे हैं।

भारत के अंतरिक्ष यात्री चयन बोर्ड ने गगनयान मिशन के लिए भारतीय वायुसेना के परीक्षण पायलटों के समूह से चार अंतरिक्ष यात्रियों का चयन किया था। गगनयान मिशन अगले साल होने वाली भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान है। सिंह ने कहा, ''सभी चार अंतरिक्ष यात्रियों ने रूस में अंतरिक्ष उड़ान के बुनियादी मॉड्यूल पर प्रशिक्षण लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी के अगले महीने यूक्रेन की यात्रा पर जाने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ वार्ता करने के लिए अगले महीने यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा कर सकते हैं।

राजनयिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उनका यह दौरा यूक्रेन पर रूस के युद्ध को समाप्त करने के लिए एक रास्ता तैयार करने के लिए नए सिरे से किए जा रहे वैश्विक प्रयासों की पृष्ठभूमि में हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि मोदी 24 अगस्त को यूक्रेन के राष्ट्रीय दिवस के आसपास कीव की यात्रा कर सकते हैं और उनके यूक्रेन से पोलैंड जाने की भी संभावना है। यदि यह यात्रा होती है तो यह मोदी की यूक्रेन की पहली यात्रा होगी।

'एन इवनिंग इन पेरिस' : फ्रांस में ओलंपिक खेलों का अनूठा और रंगारंग उद्घाटन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। खूबसूरत सीन नदी पर नावों में परेड करते खिलाड़ियों की मनोहारी छवियों के बीच परंपरा से हटकर हुए 33वें ओलंपिक खेलों के रंगारंग उद्घाटन समारोह में शुक्रवार को फ्रांस ने अपनी सांस्कृतिक विविधता, क्रांति के इतिहास, वास्तुकला की शानदार विरासत की बानगी दुनिया के सामने पेश की।

आम तौर पर स्टेडियम में होने वाली देशों की परेड की परंपरा से अलग यहां छह किलोमीटर की परेड आस्टरलिज ब्रिज से शुरू हुई जिसमें 85 नावों में 205 देशों के 6800 से अधिक खिलाड़ी सवार थे और एक शरणार्थी ओलंपिक टीम भी थी। भारी संख्या में खिलाड़ियों ने शनिवार को स्पर्धायें होने के कारण उद्घाटन समारोह में भाग नहीं लिया।

समारोह में हिन्दी का पुट भी देखने को मिला जो 'सिस्टरहुड' शीर्षक से पेश किये गए कार्यक्रम में मशहूर फ्रेंच महिलाओं के योगदान को याद करने के लिये छह भाषाओं में बनाये गए इंफो ग्राफिक्स की एक भाषा थी।

राष्ट्रपति एमैन्युअल मैकरोन ने खेलों की शुरूआत की घोषणा की जिससे अगले 16 दिन तक चलने वाले इस महाकुंभ की औपचारिक शुरूआत भी हो गई।

उद्घाटन समारोह का आकर्षण सीन नदी पर खिलाड़ियों का मार्च था। कार्यक्रम की शुरूआत में कैमरा फ्रांस के राष्ट्रपति मैकरोन और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रमुख थॉमस बाक पर था जब फ्रांस के महान फुटबॉलर जिनेदीन जिदान को पहले से रिकॉर्ड किये गए वीडियो में ओलंपिक मशाल के साथ पेरिस की सड़कों पर दौड़ते दिखाया गया। फ्रांस की वर्णमाला के क्रम के अनुसार टीमों का आगमन हुआ। पहले ओलंपिक खेलों के जनक यूनान का दल आया जिसके बाद शरणार्थी टीम आई। मेजबान फ्रांस का दल सबसे आखिर में आया जिसका प्रशंसकों ने जबर्दस्त करतल ध्वनि से स्वागत किया।

भारतीय दल की अगुवाई दो ध्वजवाहकों दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और टेबल टेनिस दिग्गज अचंत शरत कमल ने की।

हमले के दौरान ट्रंप के कान पर वास्तव में गोली लगी थी : एफबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। डोनाल्ड ट्रंप पर करीब दो सप्ताह पहले हुए हमले को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर विराम लगाते हुए संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की कि पेनसिल्वेनिया में रैली के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के कान पर वास्तव में गोली लगी थी।

एफबीआई ने एक बयान में कहा, ''हमलावर की रायफल से चली पूरी गोली या छर्रा पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कान पर लगा था।''

दरअसल, एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने इस सप्ताह की शुरुआत में हमले को लेकर कुछ अस्पष्ट टिप्पणियां की थीं, जिससे इस बात को लेकर अटकलें लगने लगी थीं कि क्या ट्रंप को वास्तव में गोली लगी थी। इस टिप्पणी को लेकर ट्रंप और उनके सहयोगियों ने नाराजगी जताई थी।

एफबीआई निदेशक ने इस सप्ताह की शुरुआत में संसद की कार्यवाही के दौरान कहा था कि वह अभी यह पता लगाने के लिए साक्ष्यों का विश्लेषण कर रहे हैं कि ट्रंप को गोली लगी थी, छर्रे लगे थे, कांच के टुकड़े लगे थे या कुछ और लगा था। एफबीआई और 'सीक्रेट सर्विस' समेत जांच में शामिल कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया था कि ट्रंप किस वजह से घायल हुए थे। ट्रंप के प्रचार अभियान दल ने भी उस अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड जारी करने से इनकार कर दिया था, जहां पूर्व राष्ट्रपति का घायल होने के बाद इलाज किया गया था।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पद लिप्सा

हल्दी की गांठ पकड़ मूषक,
खुद को पंसारी समझ रहे।
बिन तुले हुए ही कांटे पर,
वे खुद को भारी समझ रहे।
जन के मत को विस्मृत कर के,
पद का अधिकारी समझ रहे।
कुछ सीटों को पा कर नेता,
खुद को अवतारी समझ रहे।।

सहज स्मृति योग

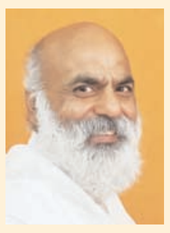

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, निरंतर बाह्य दर्शन और आत्म-चिंतन के बाद भी मुझे यही निष्कर्ष मिला कि जैसा-जैसा आचरण और व्यवहार वर्तमान समय के श्रेष्ठ जाने जाने वाले व्यक्ति करते हैं, मेरा आचरण और व्यवहार चाहे और अनचाहे दोनों प्रकार से कमोबेश उन्हीं के आचरण और व्यवहार से प्रभावित होता रहता है, क्या यही सच है ? या यह केवल मेरा सच है या हम सबकी यही नियति है ? या ऐसा है ही नहीं, केवल मुझे ही यह भ्रम हो रहा है ? कृपया मार्ग दर्शन करें क्योंकि अपने इस निष्कर्ष के आधार पर शेष जीवन जीऊँगा।

उत्तर: पहली बात तो यही है कि, आध्यात्मिक मार्ग दर्शन तो केवल वहीं से मिलता है और लेना भी केवल वहीं से चाहिए जिस मनुष्य में हमें गुरु का दर्शन हुआ हो। अन्य सब जो मिले वह सलाह ही है। यह बिलकुल सही है कि अपने समय के श्रेष्ठ व्यक्तियों के आचरण से ही समय गति पाता है और सम-सामयिक चेतना को उपलब्ध पारलौकिक चैतन्य लींन व्यक्ति मानव को ही श्रेष्ठ व्यक्ति कहा जाता है। यह भ्रम नहीं है। यथार्थ है। भ्रम की गुंजाइश केवल यह चुनाव करने में रहती है कि कोई किसे श्रेष्ठ मान जान पहचान रहा है और किसे नहीं्। और यह हरेक का व्यक्तिगत चुनाव है। श्रेष्ठ के रूप में सही व्यक्ति का चुनाव न कर पाना ही नियति जैसी चैतन्य की उच्च अवस्था को अहंकार, अविवेक, अज्ञान वश भाग्यवाद में बदल देता है । विशुद्ध मन और मस्तिष्क से श्रेष्ठ का ही चुनाव श्रेष्ठ के रूप में करना चाहिए्। यही सलाह है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पनाह देने संबंधी टिप्पणी को लेकर ममता बनर्जी की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 'पनाह' देने संबंधी टिप्पणी को लेकर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि केंद्र घुसपैठियों और रोहिंग्याओं से सख्ती से निपट रहा है।

हाल में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2024-25 पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करना वांछनीय नहीं था और उन्होंने उन्हें भविष्य में ऐसा न दोहराने की सलाह दी।

ममता बनर्जी के नीति आयोग की बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकलने संबंधी सवाल पर उन्होंने बनर्जी और 'इंडिया' गठबंधन पर निशान साधते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन कोई गठबंधन नहीं है, क्योंकि उन्होंने (ममता) अपने राज्य में इसे एक भी सीट नहीं दी।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री ने यह भी कहा कि सब्जियों और फलों की कीमतें खाद्य मुद्रास्फीति के मुख्य कारकों में से एक हैं और इसे नियंत्रित करने के लिए देश के प्रमुख उपभोग केंद्रों (शहरों) के नजदीक सब्जी उत्पादन के बड़े पैमाने पर 'क्लस्टर' विकसित किए जाएंगे।

जोशी ने कहा, ''रोहिंग्या या किसी अन्य की घुसपैठ के मुद्दे पर खासकर हमारे सत्ता में आने के बाद, हम बिना किसी असमंजस के सख्ती से इससे निपट रहे हैं। लेकिन आप इसकी सीमाएं भी जानते हैं, क्योंकि 70 और 80 के दशक के बाद से पिछले कई वर्षों से ये तुष्टिकरण अपने चरम पर पहुंच गया है।'' हाल में कोलकाता में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अपने संबोधन में बनर्जी ने हिंसा प्रभावित बांग्लादेश का जिक्र करते हुए कहा कि वह पड़ोसी देश से संकट में फंसे लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें पनाह देंगी।

इस बारे में जोशी ने कहा, ''ममता बनर्जी के हालिया बयान, ये सभी चीजें जटिलताएं बढ़ाएंगी, लेकिन जहां तक केंद्र सरकार का सवाल है, हम बहुत दृढ़ हैं और इसके लिए सीमा को सील करना और इस तरह की चीजें शानदार काम किया गया है।''

सम्यक पराक्रम करने से कर्मक्षय करने वाला सिद्ध गति प्राप्त करता है : साध्वी वसंतमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उपाध्यायश्री केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट के दिवाकर दरबार में श्रीरमेशमुनिजी की शिष्य वसंतमुनिजी का चातुर्मास, ज्ञान आराधना और तप त्याग से गतिमान है। उत्तराध्ययन सूत्र के सम्यक पराक्रम पर प्रवचन करते हुए कहा कि आत्मागृहा करने से साधक, कर्मों को हल्का करते हुए सिद्ध गति प्राप्त करता है। आत्म गृहा तीन प्रकार की बताई है, मानसिक, वाचिक और कायिक। जैनाचार्यश्री प्रसन्नचंद राजर्षि ने आत्म गृहा कर केवल ज्ञान प्राप्त किया था। केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट के महामंत्री प्रेमचंद कोठारी ने बताया कि श्री वसंतमुनिजी के प्रवचन के पश्चात उपस्थित लोगों के लिए प्रश्नोत्तर का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर आस्टीन टाउन जैन संघ के मोतीलाल रांका, साधुमार्गी जैन संघ के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चोपड़ा, शांत क्रांति जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष महेन्द्र चोपड़ा, जैन कॉन्फ्रेन्स के राजेंद्र मरलेचा, शूले संघ के कोषाध्यक्ष इंदरचंद भंसाली, जैन योग ध्यान साधना केंद्र के निर्देशक रमेश गादिया आदि उपस्थित थे। संस्कार महिला मंडल की अध्यक्ष ललिताबाई मरलेचा ने बताया कि 30 से अधिक तपस्वियों ने गुप्त एकासना तपस्या के आयोजन में भाग लेकर महावीर भवन में धर्माराधना की।

संबोधन

श्रीनगर में शनिवार को जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, पार्टी के अन्य नेताओं के साथश्रीनगर में पार्टी की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ समारोह को संबोधित करती हुई्।

आपसी मैत्री और समन्वय से समाज में प्रेम की धारा बह सकती है : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर में लुणावत स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित राजेशमुनिजी ने प्रवचन में कहा कि सदैव एक दूसरे के प्रति प्रेम की भावना रहे ताकि सभी प्राणी क्लेश रहित जीवन जीकर सुखी रहें और समाज में साम्प्रदायिक द्वेष ना पनपे। द्वेष के कारण मनभेद बढ जाते हैं। आपसी मैत्री और समन्वय से समाज में प्रेम की धारा बह सकती है। मनभेद ना हो तभी संघ नई-नई ऊंचाईयों को छू सकता है। पैसा और प्रतिष्ठा को महत्व ना देकर संतोष और सम्मान को महत्व दें। मोक्ष पाने हेतु ज्ञान, क्रिया और आचरण को अपने जीवन में उतारना होगा। मुनिश्री ने कहा कि सम्प्रदायवाद को रोकने हेतु मैं सबका और सब मेरे, इन्हीं भावों से साधु और श्रावक दोनों अपना जीवन जिएं, तेरे मेरे चक्कर में ना पड़कर सभी के प्रिय बनने का प्रयास करना चाहिए। साधु सदैव श्रद्धा का भूखा होता है। संत हर उलझी हुई चीज को सुलझाने में सक्षम होते हैं्। साधु सदैव आत्म मैल को धोता है। संघ में एकता, समन्वय और प्रेम रूपी झरना सदैव बहता रहे यही चाहता है। मुनिश्री ने पारिवारिक एकता का महत्व बताया और बड़ों का सम्मान और छोटों को स्नेह बांटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि घर में एक मुखिया बने घर के सभी सदस्य मुखिया बनने का प्रयास नहीं करें। संघ मंत्री छगनमल लुणावत ने सभा का संचालन किया। चेयरमैन महावीरचंद मुथा ने धन्यवाद दिया।

नेहरू के पास दूरदृष्टि थी, भारत की प्रगति के लिए उनका नेतृत्व जरूरी था : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास आधुनिक भारत के लिए एक दृष्टिकोण था और विभाजन के बाद देश को एकजुट रखने के लिए उनके नेतृत्व की आवश्यकता थी। यहां एक किताब के विमोचन कार्यक्रम में पवार ने कहा कि देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल एक कुशल प्रशासक थे और उन्होंने किसानों तथा श्रमिक वर्ग के लिए काम किया।

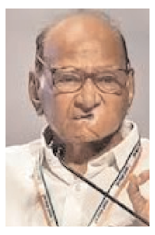

पवार ने कहा कि आजादी के बाद देश को एकजुट करने में पटेल का योगदान बहुत बड़ा था, क्योंकि उन्होंने रियासतों को भारत संघ में विलय करने के लिए मनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राकांपा (एसपी) नेता ने कहा, ''महात्मा गांधी दोनों नेताओं (नेहरू और पटेल) की क्षमता और उनके नेतृत्व के गुणों को जानते थे। देश की प्रगति और विकास के लिए नेहरू का आधुनिक भारत का दृष्टिकोण आवश्यक था। उनके पास देश को विश्व के केंद्रीय मंच पर ले जाने का दृष्टिकोण था। विभाजन के बाद देश को एकजुट रखने के लिए उनके नेतृत्व की आवश्यकता थी।'' पवार ने कहा कि भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने में डॉ. बी आर आंबेडकर का योगदान और बिजली एवं जल संसाधन के क्षेत्र में उनका काम अद्वितीय था।

अमित शाह नियंत्रण रेखा के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाएं : महबूबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को क्षेत्र के मुद्दों पर चर्चा के लिए जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने का आह्वान किया।

पीडीपी के 25वें स्थापना दिवस समारोह में महबूबा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रत्येक पक्ष के 20 प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''अमित शाह कहते हैं कि वह कश्मीर (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) वापस लाएंगे, जबकि आप हम मुसलमानों से कहते हैं कि पाकिस्तान चले जाओ।''

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा, ''हालांकि मेरा आपसे एक अनुरोध है। जब तक आप उस हिस्से को वापस नहीं लाते, तब तक इस कश्मीर और उस कश्मीर के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाइए तथा हमें साथ लाइए। हम साल में दो बार एक साथ बैठेंगे और हमारे सामने आने वाले मुद्दों पर चर्चा करेंगे।'

' उन्होंने शाह से कहा कि राष्ट्र के हित में वह अपना अहंकार त्याग दें और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की बैठक कराएं जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल के दौरान किया था।

महबूबा ने कहा, ''क्या आपमें हिम्मत है अमित शाह साहब? आप कहते रहते हैं कि आप उस कश्मीर को वापस लाएंगे। वह कश्मीर बहुत दूर है, उनके 20 प्रतिनिधि और हमारे 20 प्रतिनिधि लाइए और हमें एकसाथ बैठने दीजिए।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या आप ऐसा कर सकते हैं? क्या आपमें ऐसा करने की हिम्मत है? क्या आपमें वाजपेयी की तरह देशभक्ति है कि आप जम्मू कश्मीर के लिए अपने अहंकार का त्याग कर दें?''

महबूबा ने देशभर की जेलों में बंद कश्मीरी युवाओं को रिहा करने का भी आह्वान किया।

अरिहंत कॉलेज के स्नातक विद्यार्थियों के नए सत्र का हुआ उदघाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अरिहंत कॉलेज वीवी पुरम में वर्ष 2024-25 बैच के स्नातक विद्यार्थियों के लिए कॉलेज के प्रांगण में सत्र उद्धाटन कर्यक्रम आयोजित किया गया ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में कॉटनपेट के इसॉक न्यूटन हाईस्कूल के सचिव पी. पालिनी उपस्थित थे। कॉलेज की निदेशिका यशस्वी नागोरी, जनसम्पर्क प्रबंधक रवीना नागोरी, प्रिन्सिपल डॉ गिरीश, पीयू प्रिन्सिपल गणेशा के. और विभाग के प्रमुख विवेक गुप्ता उपस्थित थे। इस मौके पर सम्मिलित थे। अध्यापकगणों ने पूरे साल के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, आर्थिक, साहित्यिक, स्वास्थ्य, नारीशक्ति और मनोरंजन से जुडी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी तथा सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया।

'लाडकी बहिन' योजना की घोषणा सभी मंजूरियों के बाद की गईः पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को कहा कि राज्य मंत्रिमंडल के अलावा वित्त एवं योजना तथा अन्य संबंधित विभागों की मंजूरी के बाद ही 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन' (मेरी प्यारी बहन) योजना की घोषणा की गई है।

इस योजना के तहत महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता मिलेगी।

इस योजना के कारण राजकोष पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को लेकर विपक्ष द्वारा की जा रही आलोचना के बीच पवार ने कहा कि महाराष्ट्र जैसे समृद्ध राज्य के लिए इस खर्च को वहन करना संभव है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में वित्त और योजना विभाग संभाल रहे पवार ने

एक बयान में कहा कि उन्होंने ''वित्त और योजना, सभी संबंधित विभागों और राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी'' के बाद 2024-25 के लिए राज्य के अनुपूरक बजट में 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन' योजना पेश की।

पवार ने कहा, ''चालू वित्त वर्ष में इस योजना के लिए आवश्यक 35,000 करोड़ रुपये की पूरी राशि इस वर्ष के बजट में ही उपलब्ध करा दी गई है। इसलिए, यह सवाल ही नहीं उठता कि इस योजना के लिए पैसा कहां से आएगा। महाराष्ट्र जैसे आर्थिक रूप से समृद्ध राज्य के लिए इतनी राशि खर्च करना संभव है।''

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता ने कहा कि राज्य सरकार यह राशि माताओं-बहनों-बेटियों की आर्थिक स्वतंत्रता, स्वावलंबन, पोषण और उनके सर्वांगीण सशक्तीकरण, सम्मान और स्वाभिमान के लिए खर्च करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''इस राज्य में किसी के पास इस योजना का विरोध करने का कोई कारण नहीं है। वित्त विभाग के इस योजना के विरोध की जो रिपोर्ट कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा प्रकाशित की गई हैं, वे काल्पनिक हैं, तथ्यों से मेल नहीं खातीं और राजनीति से प्रेरित हैं।''

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के तहत 21-65 वर्ष आयु वर्ग की उन महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे जिनकी पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

भाजपा द्वारा नियमित अंतराल पर आयोजित की जाने वाली ''मुख्यमंत्री परिषद'' का उद्देश्य राज्यों में प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करना, सर्वोत्तम शासन प्रथाओं का पालन करना और केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी पहल का क्रियान्वयन करना है।

मोदी के अलावा, यहां दो दिवसीय बैठक के पहले दिन केंद्रीय मंत्री अमित शाह और जे.पी. नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी समेत अन्य नेता शामिल हुए।

मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हरियाणा, मणिपुर और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी विचार-विमर्श में शामिल थे।

यह बैठक केंद्रीय बजट प्रस्तुत किये जाने के बाद हो रही है, जिसमें विपक्ष ने सरकार पर बिहार और आंध्र प्रदेश को छोड़कर अन्य राज्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। लोकसभा चुनाव के बाद यह पहली बैठक है। लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और पार्टी ने लोकसभा में अपना बहुमत खो दिया। हालांकि, पार्टी नेताओं ने कहा कि बैठक में चर्चा के केंद्र में शासन संबंधी मुद्दे थे।

ऐसी पिछली बैठक फरवरी में हुई थी।

मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार पिछले 10 साल के रास्ते पर बढ़ेगी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार पिछले 10 साल में अपने निर्धारित रास्ते पर चलती रहेगी। उन्होंने बाजार को भरोसा दिलाया कि गठबंधन सरकार होने के कारण उसे चिंता करने की जरूरत नहीं है।

गोयल ने यहां एक कार्यक्रम में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत के पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने को लेकर भी आशावादी रुख अपनाया।

गोयल ने कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह निश्चित रूप से एक मजबूत गठबंधन सरकार है। हमारे सभी सहयोगी हमारे साथ बहुत मजबूती से जुड़े हुए हैं। ...और आपको किसी भी अनिश्चितता या किसी अन्य बात की चिंता करने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है।

मंत्री ने कहा, अगले पांच वर्षों के लिए यह एक मजबूत सरकार होगी, जो 'राष्ट्र प्रथम' पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो राष्ट्रीय हितों के लिए काम करेगी और कभी भी हमारे सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार

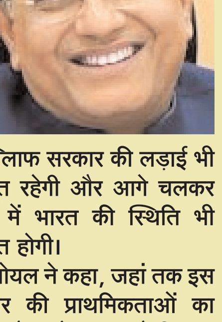

के खिलाफ सरकार की लड़ाई भी मजबूत रहेगी और आगे चलकर विश्व में भारत की स्थिति भी मजबूत होगी।

गोयल ने कहा, जहां तक इस सरकार की प्राथमिकताओं का सवाल है, मुझे लगता है कि यह एक ऐसी सरकार होगी जो पिछले 10 वर्षों में हमारे द्वारा तय किए गए रास्ते पर आगे बढ़ेगी। ...तो आप हमारी 10 साल की कहानी देखें और इस बजट को सभी के सामने किस दिशा में रखा गया है, इस पर नजर डालें। उन्होंने कहा कि व्यक्ति बड़ा सोचता है, लेकिन जब तक उसके पास प्राप्त करने के लिए संपूर्ण लक्ष्य नहीं होते, तब तक वह परिवर्तनकारी परिणाम या बड़े परिणाम प्राप्त नहीं कर सकता। गोयल ने कहा, मुझे खुशी है कि अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके भारत ने 3.5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था से पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का निर्णय लिया है।

नीति आयोग की बैठक में ममता के साथ हुआ व्यवहार अस्वीकार्यः कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ जो व्यवहार हुआ है, वो पूरी तरह अस्वीकार्य है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि नीति आयोग की बैठकें दिखावा मात्र होती हैं तथा यह संस्था पेशेवर एवं स्वतंत्र नहीं है। ममता शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की बैठक छोड़कर बाहर निकल आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की एकमात्र प्रतिनिधि होने के बावजूद उन्हें भाषण के दौरान बीच में ही रोक दिया गया।

सरकारी सूत्रों ने उनके आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ममता को बोलने के लिए दिया गया समय समाप्त हो गया था।

कांग्रेस नेता रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 10 साल पहले स्थापित होने के बाद से, नीति आयोग प्रधानमंत्री का एक अटैच्ड ऑफिस रहा है। यह 'नॉन-बायोलॉजिकल' प्रधानमंत्री के लिए ढोल पीटने वाले तंत्र के रूप में काम करता है। उन्होंने दावा किया कि नीति अयोग ने किसी भी रूप में सहकारी संघवाद को मज़बूत नहीं किया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, इसका काम करने का तरीक़ा स्पष्ट रूप से पक्षपात से भरा रहा है। यह पेशेवर और स्वतंत्र तो बिल्कुल भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अलग तरह के और असहमति से भरे सभी तरह के दृष्टिकोणों को दबा देता है, जो एक खुले लोकतंत्र के मूलतत्व हैं तथा इसकी बैठकें महज़ दिखावा मात्र की होती हैं।

नीति आयोग की बैठकः छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक औषधालयों, कृत्रिम मेधा पर जोर दिया

नई दिल्ली/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को अपने राज्य में कौशल आधारित शिक्षा, प्राकृतिक औषधालयों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपने राज्य के पूर्ण समर्थन की प्रतिबद्धता जताई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए साय ने शिक्षा, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी उन्नति पर जोर देते हुए छत्तीसगढ़ के विकास के लिए विभिन्न प्राथमिकताओं और प्रयासों को सूचीबद्ध किया।

साय ने कहा कि वर्तमान में राज्य का जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) 5.05 लाख करोड़ रुपये है, जिसे अगले पांच वर्षों में बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार और लक्ष्य प्राप्ति की संभावनाओं पर काम शुरू कर दिया है।

विपक्षी विधायकों ने नाइस रोड के पास स्काईडेक के लिए हरी झंडी दे दी है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को घोषणा की कि बेंगलूरु के विपक्षी नेताओं ने नाइस रोड के पास 250 मीटर का स्काईडेक स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है।

विधान सौधा में बेंगलूरु के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, विपक्ष के नेताओं और बेंगलूरु के विधायकों ने शहर के बाहरी इलाके में नाइस रोड के पास 250 मीटर लंबे स्काईडेक को स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। हम इसे जल्द ही कैबिनेट के सामने रखेंगे और इसे आगे बढ़ाएंगे।

स्काईडेक को लगभग 25 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। हमने कोम्माघट्टा और बेंगलूरु विश्वविद्यालय परिसर के पास भूमि को चुना था, लेकिन हमने इसके खिलाफ फैसला किया क्योंकि इससे छात्रों पर असर पड़ सकता है। हमने इस परियोजना के लिए लगभग 10 स्थानों को चुना था, लेकिन स्काईडेक की ऊंचाई के कारण विमानन मंत्रालय को इन पर संदेह था। विपक्ष के नेता आर अशोक सहित बेंगलूरु के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों ने नाइस रोड स्थान के लिए सहमति व्यक्त की है, उन्होंने विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा, यह ज़मीन फिलहाल नाइस रोड के प्रमोटरों के पास है। लेकिन आर अशोक ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार नाइस को लगभग 200 एकड़ ज़मीन सरकार को सौंपनी है। इसलिए, नाइस रोड की ज़मीन को अंतिम रूप दिया गया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह स्थान शहर से बहुत दूर है, उन्होंने कहा, इन सभी कारकों पर विचार किया गया है। यह स्थान पर्यटकों के लिए सुविधाजनक होगा क्योंकि यह मैसूरु और कोडागु जैसे पर्यटन स्थलों के रास्ते में है। परिधीय रिंग रोड के तैयार होने के बाद कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। कैबिनेट में स्थान पर चर्चा की जाएगी। हम इस परियोजना को सरकारी निधियों से करने की योजना बना रहे हैं, सुरंग सड़क उन्होंने कहा, बैठक में सुरंग सड़क योजना पर भी चर्चा की गई। पहली सुरंग हेब्बाल के पास एस्टीम मॉल से सिल्क बोर्ड तक 18.5 किलोमीटर लंबी बनाई जा रही है। कैबिनेट में इस पर चर्चा के बाद टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। सुरंग परियोजना के लिए कुछ जमीनों का अधिग्रहण किया जाना है और विधायकों ने इस पर हमारे साथ काम करने पर सहमति जताई है।

उन्होंने बताया, पूर्व से पश्चिम तक एक और सुरंग बनाने की योजना है और इसे अगले चरण में बनाया जाएगा। सुरंग सड़क के साथ-साथ हमने सिग्नल मुक्त गलियारों के लिए लगभग 17-18 स्थानों की पहचान की है। 100 किलोमीटर का सिग्नल मुक्त गलियारा बनाने के लिए हमें लगभग 12,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। हम निविदा आमंत्रित करने की तैयारी कर रहे हैं। भविष्य में सभी मेट्रो लाइनों को डबल डेकर फ्लाईओवर में बदल दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, शहर से निकलने वाले कचरे को शहर से 15-20 किलोमीटर दूर चार जगहों पर फेंकने का फैसला किया गया है। हम जहां भी उपलब्ध होंगे, सरकारी जमीन का इस्तेमाल करेंगे, अन्यथा इसके लिए निजी जमीनें खरीदी जाएंगी।

सड़क पर पुराने और कबाड़ हो चुके वाहनों को छोड़ देने के कारण यातायात जाम के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पुलिस को इससे निपटने के लिए पूरी छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस को ऐसे वाहनों को जब्त करने और उन्हें नीलाम करने के निर्देश दिए गए हैं। कावेरी पांचवें चरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह 20 अगस्त तक तैयार हो जाएगा। यह पायलट आधार पर चल रहा है और इसे 20 अगस्त तक शुरू कर दिया जाएगा।

बेंगलूरु के लिए विशेष अनुदान

उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में काम करने के लिए विशेष अनुदान की मांग की है। हम इस बारे में मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे और यथासंभव अनुदान जारी करेंगे। विधायकों ने कई सुझाव दिए हैं और इस पर विचार किया जाएगा।

जिला रामनगर के नाम में बदलाव विकास में 'ब्रांड बेंगलूरु' का उपयोग करने के लिए किया : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि रामनगर जिले का नाम बदलकर 'बेंगलूरु दक्षिण' करने का सरकार का निर्णय 'ब्रांड बेंगलूरु' का उपयोग करके अगली पीढ़ी को नयी दिशा देने और क्षेत्र का विकास करने के लिए लिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार जिला मुख्यालय शहर रामनगर का नाम नहीं बदल रही है, केवल जिले का नाम बदला जाएगा जिसमें रामनगर, चन्नपटना, कनकपुरा और मागड़ी तालुक हैं। कनकपुरा से कांग्रेस विधायक शिवकुमार ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, हम रामनगर (शहर) को नहीं छू रहे हैं। बेंगलूरु हमारा जिला है। रामनगर तालुक, चन्नपटना तालुक, कनकपुरा तालुक और मागड़ी तालुक में रहने वाले लोग हमारे लोग हैं। हमारा बेंगलूरु है, रामनगर नहीं।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को रामनगर का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने को मंजूरी दे दी। शिवकुमार ने कहा, ''आज बेंगलूरु दुनिया भर में मशहूर है। हम अपने पूर्वजों द्वारा दिए गए नाम को क्यों खराब करें?'' उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रस्तावित बेंगलूरु दक्षिण जिले का मुख्यालय रामनगर ही रहेगा। नाम बदलने के पीछे की वजह बताते हुए उन्होंने कहा, ''हम अपनी अगली पीढ़ी के बारे में सोच रहे हैं ताकि उन्हें एक नई दिशा, अच्छी सोच, नए विचार देने के साथ उनका विकास कर सकें।''

आइए मिलकर बेंगलूरु का निर्माण करें : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को शहर के विपक्षी नेताओं से बेहतर बेंगलूरु के निर्माण के लिए साथ आने का आह्वान किया। शिवकुमार वृहत बेंगलूरु प्रशासन विधेयक और राजधानी शहर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए विधान सौधा में आयोजित 'जनता की आवाज-सरकार की आवाज' कार्यक्रम में शामिल हुए।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आइए हम अपनी राजनीति को बूथ स्तर पर छोड़ दें और बेहतर बेंगलूरु बनाने के लिए साथ आएं।''

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''वृहत बेंगलूरु प्रशासन विधेयक के बारे में चिंता करने की कोई बात नहीं है। इसकी प्रति आपके पास उपलब्ध है और आप इसके हर शब्द को देख सकते हैं।

हमने बेंगलूरु का बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाए हैं। आइए चर्चा करें और हम आपकी प्रतिक्रिया सुनेंगे। हमने वृहत बेंगलूरु प्रशासन विधेयक पर सदन की एक समिति बनाने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा, ''विपक्षी दलों के प्रतिनिधि यहां मौजूद हैं और यदि आप अपनी ओर से नामों की सिफारिश कर सकते हैं तो हम आज शाम ही सदन की समिति गठित कर देंगे। हम चर्चा के लिए तैयार हैं। हमें अपने विचारों से अवगत कराएं।''

शिवकुमार ने कहा, 'शहर तेजी से बढ़ रहा है और हमें इसे व्यवस्थित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, विपक्षी दलों के प्रतिनिधि यहां मौजूद हैं और अगर आप अपनी तरफ से नामों की सिफारिश कर सकते हैं, तो हम आज शाम ही सदन की समिति बना देंगे। हम चर्चा के लिए तैयार हैं, हमें अपने विचार बताएं। उन्होंने कहा, बेंगलूरु विकास विभाग चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हम शहर को एक नया आकार देने की कोशिश कर रहे हैं। केम्पे गौड़ा ने बेंगलूरु का निर्माण किया, केंगेल हनुमंतैया ने विधान सौधा का निर्माण किया और एसएम कृष्णा ने बेंगलूरु को एक वैश्विक शहर बनाया। शहर तेजी से बढ़ रहा है और हमें इसमें व्यवस्था लाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

उपमुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में विपक्ष के नेता आर अशोक, आवास मंत्री जमीर अहमद, बीबीएमपी आयुक्त तुषार गिरिनाथ के साथ ब्रांड बेंगलूरु पर एक पुस्तिका भी जारी की।

'पचास वर्ष से अधिक आयु के शिक्षकों को अतिरिक्त शिक्षक' के तौर पर तबादलों से छूट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि 50 वर्ष से अधिक आयु की अध्यापिकाओं और 55 वर्ष से अधिक आयु के अध्यापकों को विद्यालयों में युक्तिकरण और पुनर्नियुक्ति की प्रक्रिया के दौरान 'अतिरिक्त शिक्षक' के रूप में वर्गीकृत किए जाने से कानूनी तौर पर छूट है। यह निर्णय कर्नाटक राज्य सिविल सेवा (शिक्षकों के स्थानांतरण का विनियमन) अधिनियम, 2020 की धारा 10(1)(छह) को लागू करता है, जो यह अनिवार्य करता है कि प्राधिकारियों को इस प्रावधान का सम्मान करना चाहिए।

अदालत ने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दायर उस याचिका को खारिज करते हुए यह फैसला दिया जिसमें कर्नाटक राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेशों को चुनौती दी गई थी। इन आदेशों में दो शिक्षिकाओं उमादेवी हुंडारकर और प्रभावती रोनाड का 'अतिरिक्त शिक्षक' होने के आधार पर बागलकोट जिले के विद्यालयों से स्थानांतरण रद्द कर दिया गया था।

मुख्य न्यायाधीश एन वी अंजारिया और न्यायमूर्ति एस जी पंडित की खंडपीठ ने कहा कि ऐसे लाभकारी प्रावधानों को पात्र शिक्षकों के पक्ष में लागू किया जाना चाहिए, भले ही उन्होंने इसके लिए विशेष रूप से अनुरोध किया हो या नहीं। पीठ ने कहा कि यह वैधानिक प्रावधान शिक्षकों को अधिनियम के तहत संरक्षण का अधिकार देता है। अदालत ने यह भी कहा कि दोनों अध्यापिकाओं को अतिरिक्त शिक्षक' के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए था और उनका तबादला नहीं किया जाना चाहिए था, खासकर तब जब उन्होंने इन प्रासंगिक अधिनियम प्रावधानों का हवाला दिया था। अदालत ने न्यायाधिकरण के निर्णय को बरकरार रखते हुए इस बात पर जोर दिया कि आयु-आधारित छूट लंबे समय से दी जा रही है और प्राधिकारियों को शिक्षकों के वैध और समय पर दिए गए अभ्यावेदन पर विचार करना चाहिए था।

शिरडी घाट पर भूस्खलन

मंगलूरु। कर्नाटक के राष्ट्रीय राजमार्ग 75 के शिरडी घाट यत्तिनहल्ला-सकलेशपुरा खंड पर भारी भूस्खलन हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के परिणामस्वरूप राजमार्ग पर मंगलूरु और बेंगलूरु की ओर जाने वाले वाहन भूस्खलन स्थल के दोनों ओर फंस गए। अधिकारियों के अनुसार राज्य राजमार्ग विभाग के कर्मचारी मिट्टी हटाने वाले उपकरणों के साथ सड़क पर जमा मलबे को हटाने में लगे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि शनिवार देर शाम या रविवार सुबह तक सड़कें साफ हो जाएंगी। भूस्खलन के बाद हासन और दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासनों ने परिवाहकों और निजी वाहन चालकों को स्थिति को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

कर्नाटक फिल्म चैंबर ने दो प्रतिशत तक उपकर लगाने का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी)के अध्यक्ष एन एम सुरेश ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक में 637 में से 130 सिनेमाघर बंद होने के कगार पर हैं और दर्शकों की संख्या दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। ऐसे में कर्नाटक सरकार द्वारा दो प्रतिशत तक उपकर लगाने के निर्णय से उद्योग की चुनौतियां और बढ़ेंगी।

सुरेश कर्नाटक सिनेमा और सांस्कृतिक कार्यकर्ता (कल्याण) विधेयक 2024 पर कड़ा विरोध जताने के लिए बुलाए गए एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसमें फिल्मों के टिकट और ओटीटी सदस्यता शुल्क पर दो प्रतिशत तक का उपकर लगाने का प्रस्ताव है। सरकार ने 23 जुलाई को विधानसभा सत्र के दौरान इस विधेयक को पारित किया था।

परिषद ने पहले ही विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी थी और अब राज्यपाल की सहमति मिलते ही यह कानून बन जाएगा। लेकिन सुरेश ने कहा कि कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) के प्रतिनिधि इस मुद्दे पर आगे चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मिलेंगे।

सुरेश ने बाद में 'पीटीआई भाषा' को बताया, हमने पहले ही मुख्यमंत्री से उपकर पर पुनर्विचार करने और उसे कम करने की अपील की है, खासकर कन्नड़ फिल्मों के लिए। हमें मुख्यमंत्री के घर आमंत्रित किया गया है और हम न केवल उपकर पर बल्कि सिनेमाघरों के लिए कराधान और कन्नड़ फिल्मों के लिए सब्सिडी की कमी पर भी विस्तार से चर्चा करने की योजना बना रहे हैं।

विधेयक पारित करते समय सरकार ने घोषणा की थी कि एकत्रित उपकर का उपयोग फिल्म निर्माण में शामिल श्रमिकों के लाभ के लिए किया जाएगा। सुरेश के अनुसार श्रमिक कल्याण कोष बनाने का सरकार का निर्णय सराहनीय है, लेकिन यह निर्माताओं की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कन्नड़ फिल्मों में निवेश करने वाले निर्माता लाभ कमाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

यडाकुमारी में भूस्खलन के बाद मंगलूरु-बेंगलूरु खंड पर आठ ट्रेन रद्द,चार का मार्ग परिवर्तित

मंगलूरु। कर्नाटक के यडाकुमारी में भूस्खलन होने के कारण मंगलुरु-बेंगलूरु रेलखंड पर शनिवार को आठ ट्रेन को रद्द कर दिया गया जबकि चार अन्य को मार्ग परिवर्तित कर दिया गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि मंगलूरु और बेंगलूरु के बीच यडाकुमारी में यह भूस्खलन हुआ जिसके इसके परिणामस्वरूप आठ ट्रेन को अगले आदेश तक रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसी के साथ चार अन्य ट्रेन का मार्ग बदल दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले रेलवे की वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर पर अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य हासिल कर लें।

उन्होंने बताया कि ट्रैक पर से मलबा हटाने का काम जारी है लेकिन लगातार हो रही वर्षा के चलते अभी इस काम में समय लग सकता है।

उद्घाटन

बेंगलूरु में शनिवार को कृषि मंत्री चेलुवरैया स्वामी के साथ डॉ. एस.वी. जीकेवीके परिसर में 'कृषि संथे' और 'पतंग प्रतियोगिता' के उद्घाटन के दौरान यूएएस बेंगलूरु के चांसलर सुरेश और अन्य गणमान्य व्यक्ति।

शिरडी घाट में भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर सैकड़ों वाहन फंसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के शिरडी घाट क्षेत्र में शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर हुए भारी भूस्खलन के चलते सैकड़ों वाहन फंस गए। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को शिरडी घाटी इलाके में यत्तीनाहल्ला-सकलेशपुर क्षेत्र में भूस्खलन हो गया जिसके कारण मंगलूरु और बेंगलूरु की ओर जाने वाले वाहन दोनों तरफ फंस गए।

उन्होंने बताया कि राज्य राजमार्ग विभाग के कर्मचारी मिट्टी और मलबा हटाने के काम में जुटे हैं तथा सड़क को शनिवार रात्रि अथवा रविवार सुबह तक साफ कर दिया जाएगा। उनके अनुसार इलाके में भारी वर्षा के कारण मलबे की सफाई में समय लग रहा है।

अधिकारियों ने भूस्खलन के चलते हासन और दक्षिण कन्नड़ जिलों के 'परिवहन ऑपरेटरों' और निजी वाहन चालकों को सावधान रहने की सलाह दी है।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री ने रेलवे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

चेन्नई। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और जल शक्ति मंत्री वी.सोमन्ना ने 27 जुलाई को दक्षिण रेलवे मुख्यालय में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे कौशल किशोर और जोन के प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ-साथ मंडल रेल प्रबंधक, चेन्नई विश्वनाथ बी. ईर्या भी शामिल हुए। बैठक के दौरान दक्षिण रेलवे के प्रदर्शन की विशेषताओं पर एक प्रस्तुति दी गई जिसमें विभिन्न मापदंडों का विवरण दिया गया। बैठक में बोलते हुए, मंत्री सोमन्ना ने कामकाज के विभिन्न पहलुओं पर जोन के प्रदर्शन की सराहना की और जहाँ भी आवश्यक हो, सुधारात्मक कार्रवाई की सलाह दी। मंत्री ने सुरक्षा, अमृत भारत योजना के तहत बुनियादी ढांचे और स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं की प्रगति, गति वृद्धि कार्यों,रेलवे परिसंपत्तियों के रखरखाव की समीक्षा और विचार-विमर्श किया।

बेंगलूरु पीजी हत्या : आरोपी भोपाल में हुआ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने 23 जुलाई को यहां एक पेइंग गेस्ट आवास में 24 वर्षीय एक युवती की हत्या के मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अभिषेक को भोपाल में गिरफ्तार किया गया। वह युवती कृति कुमारी की कथित तौर पर हत्या करने के बाद भोपाल भाग गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार पीटीआई-भाषा' से कहा, हां, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसे मध्य प्रदेश से पकड़ लिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर बेंगलूरु लाया जा रहा है। हत्या के पीछे के मकसद के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमें अभी तक इसका पता नहीं है। उसे यहां लाना होगा और फिर हमें उसकी पुलिस हिरासत लेनी होगी और गहन जांच और पूछताछ करनी होगी...उसके बाद ही आगे की जानकारी साझा की जा सकती है।

इस खौफनाक घटना का एक वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सामने आया था। पुलिस के अनुसार, अभिषेक पेइंग गेस्ट आवास में घुसा और बिहार की निवासी कृति कुमारी की हत्या कर दी। कृति कुमारी एक अन्य युवती के साथ रह रही थी। वीडियो में, व्यक्ति एक पॉलीथीन बैग पकड़े हुए पेइंग गेस्ट आवास के गलियारे में जाता हुआ दिखायी देता है। फिर वह दरवाजा खटखटाता है और बाद में एक युवती को बाहर खींचता है। युवती हमले का विरोध करती है लेकिन हमलावर शीघ्र ही उस पर काबू कर लेता है और उसका गला रेतकर भाग जाता है। आवाज सुनकर इमारत में मौजूद अन्य युवती मौके पर पहुंचती हैं, लेकिन उसे बचा नही पाती हैं।

नीति आयोग की बैठक में ममता को बोलने से रोकना क्या सहकारी संघवाद है?

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की अपनी समकक्ष ममता बनर्जी के इस दावे को लेकर केंद्र की निंदा की कि नीति आयोग की बैठक में बोलने से उन्हें बीच में ही गलत तरीके से रोक दिया गया। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में सवाल किया, क्या यही सहकारी संघवाद है? क्या मुख्यमंत्री के साथ व्यवहार करने का यही तरीका है? केंद्र की भाजपा नीत सरकार को यह समझना चाहिए कि विपक्षी दल हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं और उन्हें दुश्मन नहीं समझा जाना चाहिए। सहकारी संघवाद के लिए संवाद और सभी आवाजों का सम्मान जरूरी है।

दिल्ली में, ममता ने कहा कि बैठक में उनका माइक्रोफोन पांच मिनट बाद बंद कर दिया गया।

शिक्षा के जरिए आत्मनिर्भर भारत के लिए सब मिलकर काम करें : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने शिक्षा के जरिए आत्मनिर्भर भारत के लिए मिलकर काम करने का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है और सामूहिकता के भाव में कहीं कोई भेद नहीं होता। वह शनिवार को जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। मिश्र ने कहा है कि नई शिक्षा नीति के आलोक में विश्वविद्यालय प्राचीन और नवीन ज्ञान का समन्वय करते हुए संस्कृत और संस्कृति के प्रसार के लिए कार्य करे।

उन्होंने कहा , राष्ट्र सर्वोपरि है। सामूहिकता के भाव में कहीं कोई भेद नहीं होता है। इसे समझते हुए शिक्षा के जरिए आत्मनिर्भर भारत के लिए भी सब मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि संस्कृत में योग, विज्ञान, शास्त्र, भारतीय संस्कृति, संस्कार से जुड़ी शिक्षा दी जाती है जो व्यक्तित्व निर्माण के लिए जरूरी शिक्षा है। उन्होंने दावा किया कि यह शिक्षा यदि कहीं मिलती है तो उसको आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में कौशल विकास के साथ भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़े ज्ञान के आधुनिकीकरण पर भी विशेष जोर दिया गया है । उनका कहना था कि विश्वविद्यालयों को नई शिक्षा नीति की इस पहल को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए।

मिश्र ने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को आत्मविश्वास का साक्षात स्वरूप बताते हुए कहा कि दीक्षांत की भारतीय परंपरा की जो व्याख्या उन्होंने की है, वह विरल है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने बताया कि संस्कृत विश्वविद्यालय में प्राचीन संस्कृत ज्ञान के अलावा कम्प्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन और समाजशास्त्र जैसे विषयों पर भी ध्यान केन्द्रित करते हुए इस भाषा को जनजन तक लोकप्रिय किए जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

राज्यपाल ने संविधान को सर्वोच्च बताते हुए उसके सभी भागों से पूर्व मूल प्रति पर उत्कीर्ण चित्रों की चर्चा करते हुए कहा कि इनमें भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्रकट होती है। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल प्रति में शांतिनिकेतन के आचार्य नंदलाल बोस ने तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के आग्रह पर जो चित्र उकेरे उनमें भगवान राम सीता संग अयोध्या लौट रहे हैं। भगवान कृष्ण अर्जुन को गीता के जरिए कर्म का संदेश दे रहे हैं। यह चित्रकारी भारत के उदात्त जीवन मूल्यों और परंपराओं से हमें जोड़ती है।

उन्होंने राष्ट्र को सर्वोच्च बताते हुए कहा कि सभी देवों की समग्र शक्ति दुर्गा है। उन्होंने सामूहिकता के भाव, संस्कृति आदि की भी विषद चर्चा की। उन्होंने राजभवन में निर्मित संविधान पार्क की चर्चा करते हुए कहा कि इसके जरिए संविधान की संस्कृति को जीवंत करने का प्रयास किया गया है।

मिश्र ने जगदगुरू स्वामी राम भद्राचार्य को आत्म विश्वास का साक्षात स्वरूप बताते हुए कहा कि दीक्षांत की भारतीय परंपरा की जो व्याख्या उन्होंने की है, वह विरल है। उन्होंने कहा कि रामभद्राचार्य जी ने अंतः चक्षु से अध्ययन कर समस्त वेदों और शास्त्रों का जो विश्लेषण किया है, वह अद्भुत है। वह 18 घंटे पढ़ाई करतें हैं। इस आयु में ज्ञान के प्रति निरंतर उनकी उत्कंठा, उत्सुकता प्रेरणा देने वाली है।

उन्होंने समारोह में वयम पुस्तक का भी लोकार्पण किया और कहा कि वयम शब्द में सम्पूर्ण ब्रह्मांड का आत्म समाहित है। स्वामी रामभद्राचार्य ने भगवान राम की महिमा का और जगत में उनकी उपस्थिति का सुंदर और रोचक वर्णन किया। उन्होंने श्रीराम के इस देश में होने से जुड़े 441 प्रामाणिक ग्रंथों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान के स्त्रोत नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय थे। इन्हें बख्तियार खिलजी ने इसलिए जला दिया कि हमारी ज्ञान की संस्कृति मिट जाए। पर भारत राष्ट्र अविचल अपनी अस्मिता बनाए हुए है।

रामभद्राचार्य ने कहा कि हमारी सर्वोत्कृष्ट देवी भारत माता है। राष्ट्र में आत्म विसर्जित हो जाता है, केवल हम का भाव रह जाता है। उन्होंने शिक्षा की भारतीय संस्कृति के प्रसार का आह्वान किया।

युवा संसद कार्यक्रम, 41 विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हुए

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में शनिवार को युवा संसद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 41 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों की भूमिका निभाते हुए सदन की कार्यवाही में भाग लिया।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित युवा संसद कार्यक्रम में 41 विद्यालयों के 181 विद्यार्थी विधायक के रूप में सदन में बैठे। इनमें से ही कुछ ने विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष एवं मंत्रियों की भूमिका निभाई। विधानसभा सचिवालय के प्रवक्ता के अनुसार इन 41 विद्यालयों में 20 जयपुर के थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा एवं सफल लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को महान बनाने में यहां की समृद्ध संवैधानिक परम्पराओं, नियमों और प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उदयपुर के ऋषभदेव में बोलेरो ने चार भाइयों को कुचला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। जिले के ऋषभदेव क्षेत्र से व्याकुल करने वाली खबर सामने आई है। जहां एक बोलेरो कार ने चार भाइयों को कुचल दिया। हादसे में चारों की मौत हो गई। चारों भाई काम के लिए अहमदाबाद जा रहे थे कि वहां तेज बारिश की सूचना पर रूककर एक होटल के बाहर आपस में बात कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार घटना नेशनल हाईवे 48 पर बीती रात साढ़े दस बजे की है। ऋषभदेव के समीप बालाजी होटल के सामने दो भाई उनके साथ अहमदाबाद जाने के लिए निकले अन्य दो भाइयों का इंतजार कर रहे थे। दोनों बाइक से निकले थे, जबकि दूसरे दो भाई अन्य वाहन से निकले हुए थे।

इसी बीच उनके एक भाई को अहमदाबाद में तेज बारिश की सूचना मिली और पता चला कि वहां अभी काम मिलना मुश्किल होगा। इसके चलते दोनों भाइयों ने कुछ दिन और घर पर रहने का निर्णय लिया और वह अपने अन्य दो भाइयों का इंतजार करने लगे। उनके आते ही वह होटल के बाहर आपस में बात कर रहे थे कि इसी बीच तेज रफ्तार बोलेरो उन्हें चपेट में लेते हुए निकल गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हादसे में दो भाइयों की मौत मौके पर हो चुकी थी, जबकि दो अन्य भाइयों ने उदयपुर के एमबी अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे में जालम (25) पुत्र शंकर मीणा और अशोक कुमार (20) पुत्र मांगीलाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विनोद (20) पुत्र लक्ष्मण मीणा और राजू (22) पुत्र लालू मीणा घायल हो गए थे। जिन्हें उपचार के लिए उदयपुर के एमबी अस्पताल लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। दोपहर बाद जब उनके परिजन यहां आए तब शवों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। जबकि जालम और अशोक के शवों का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऋषभदेव में करा दिया गया।

पुलिस घटनास्थल के आसपास जहां भी सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, वहां के फुटेज खंगाल रही है। हालांकि घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बोलेरो कार के नंबर भी दिए हैं। चचेरे भाई नवलचंद की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाने में समृद्ध संवैधानिक परम्पराओं, नियम और प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को विधानसभा में कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा एवं सफल लोकतंत्र है और इसे महान बनाने में यहां की समृद्ध संवैधानिक परम्पराए, नियम और प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और भविष्य में इस महान लोकतंत्र को इसी प्रकार जीवित रखने में देश के युवाओं का अहम योगदान होगा।

देवनानी विधानसभा में आयोजित युवा संसद समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही धर्म सभा, न्याय सभा तथा राज सभा के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्थाये रही है, क्योंकि भारत के जन जन के मन में लोकतांत्रिक सिद्धांतों और व्यवस्थाओं के प्रति गहरी आस्था है। उन्होंने युवा संसद में उपस्थित युवाओं का आह्वान किया कि इस संसदीय व्यवस्था में भागीदार बनकर इस महान लोकतंत्र में एक नयी उर्जा का संचार करें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में कई बार असंसदीय परम्पराओं के कारण मन व्यथित होता है, असहनशीलता, सुनने की क्षमता में कमी आदि इसके प्रमुख कारण है। उन्होंने युवाओं को कहा कि सहनशील और शिक्षित बनकर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से राष्ट्र निर्माण के लिए हमेशा कार्य करते रहे।

देवनानी ने कहा कि इस संविधान के आधार पर ही देश में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका कार्य करती है इसलिए देश के युवाओं को संविधान में अपनी गहरी आस्था रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के युवा जातिवाद, क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर नेशन फर्स्ट की भावना के साथ कार्य करें और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की दिशा में काम करें।

उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि हमेशा दीन-दुखी, पिछड़े और गरीबों के उत्थान के लिए कार्य करें और समाज में अंधकार और अशिक्षा को दूर करने में अपने तन-मन-धन से हर संभव सहयोग करें। उन्होंने स्वयं के शिक्षक रहते हुए अपने अनुभव साझा करते हुए सदन में उपस्थित विद्यार्थियों को कहा कि मन में जिज्ञासा और गुणात्मक कार्यों में हमेशा अपनी रूचि बनाये रखनी चाहिए।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश के विकास, कर, कानूनों की क्रियान्विति आदि का निर्धारण विधानसभा से ही होता है, इसलिए इस पवित्र सदन में आना बहुत सौभाग्य की बात है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि सदन में बैठकर यहाँ की कार्यप्रणाली को बारीकी से समझकर एक जागरूक नागरिक बने। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के सीमित उपयोग और फेक न्यूज़ के प्रति जागरूक रहने को कहा।

विधायक और राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने कहा कि संघ द्वारा आयोजित किये जा रहे युवा संसद कार्यक्रमों से युवाओं को लोकतंत्र की स्वस्थ परम्पराओं, दूसरे के विचारों का सम्मान और विधायिका के कामकाज को बारीकी से समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस कार्यक्रम में 41 विद्यालयों के 181 विद्यार्थियों द्वारा विधायक के रूप में सदन में बैठकर जनहित के प्रश्न पूछें गए एवं उनके द्वारा ही स्पीकर, मुख्येमंत्री, नेता प्रतिपक्ष एवं मंत्री की भूमिका निभाई गयी। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में 20 जयपुर के और 21 राज्य के अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों के विद्यालयों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

वृक्ष लगाकर धरती माँ के ऋण को चुकाने में दें योगदान : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को अमृत पर्यावरण महोत्सव के अन्तर्गत ''एक पेड़ देश के नाम''-एक पेड़ मां के नाम'' एवं ''हरियालो राजस्थान'' को साकार करने के लिए जिले में 7 अगस्त को विभिन्न स्तरों पर सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम की कोटा जिला कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की एवं प्रत्येक विभाग को दिए गए लक्ष्य एवं किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी ली।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रत्येक पौधे की जिओ टेगिंग की जाएगी एवं उसकी देखरेख के लिए जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पौधों की देखरेख के लिए प्रत्येक 200 पेड़ों पर एक मनरेगा श्रमिक को जिम्मेदारी भी दी जाएगी, जिससे न सिर्फ रोजगार का सृजन होगा बल्कि वृक्षों की सुरक्षा भी होगी। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में भी वृक्षों को क्लस्टर के रूप में लगाया जाएगा ताकि पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने स्कूल-आंगनबाड़ी, विद्यालयों में आ रहे छात्रों के अनुसार अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्ष सभी मानव जाति एवं धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं इसलिए यह कोई मात्र सरकारी कार्यक्रम या अभियान नहीं है बल्कि एक जन आंदोलन है जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी वांछनीय एवं आवश्यक है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह पर्यावरण संतुलन के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर धरती मां के ऋण को उतारने में अपना योगदान दे। उन्होंने कहा कि धरती पर बढ़ता तापमान एवं पर्यावरण असंतुलन एक गंभीर विषय है और वृक्षारोपण के माध्यम से इसमें सुधार किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इस महा-अभियान में गैर सरकारी संगठनों, व्यापार संघ, स्वयं सहायता समूह, निजी स्कूल, कॉलेज, रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आदि को जोड़ा जाए। उन्होंने पुलिस विभाग को भी प्रत्येक थाने अनुसार लक्ष्य देते हुए कहा कि यह एक सामूहिक जिम्मेदारी और प्रयास है जिसमें हर व्यक्ति का योगदान बहुमूल्य है। बैठक में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने प्रत्येक विभाग को लक्ष्य से अधिक वृक्षारोपण करने को कहा ताकि अमृत पर्यावरण महोत्सव के तहत कोटा समस्त प्रदेश में एक मिसाल कायम करें।

जिला कलक्टर डॉ रविन्द्र गोस्वामी ने कहा कि इस जन आंदोलन से समाज के हर वर्ग को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज के दिन मातृशक्ति परिवार सहित राजस्थान के पारंपरिक परिधान को पहन पौधारोपण कर एक नया इतिहास रचने में अपनी प्रबल भागीदारी निभाए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अशोक त्यागी ने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर ''हरियालो-राजस्थान'' के अन्तर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग तथा नगर निगम कोटा (दक्षिण) के संयुक्त तत्वाधान में जगपुरा में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि हरियालो-राजस्थान ऐप के माध्यम से वृक्षारोपण करने वाले वृक्ष प्रेमियों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किये जायेंगे।

राजस्थान में कई जगहों पर बहुत अधिक वर्षा हुई : मौसम विभाग

जयपुर। मानसून की सक्रियता से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है जहां बीते 24 घंटे में कई स्थानों पर बहुत अधिक वर्षा हुई है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में चित्तौड़गढ़ में सबसे अधिक आठ सेंटीमीटर (सेमी) बारिश हुई। उसके मुताबिक इस दौरान सहाड़ा (भीलवाड़ा), बामनवास (सवाई माधोपुर) और सैपऊ (धौलपुर) में छह - छह सेमी, शाहपुरा (भीलवाड़ा), आमेट (राजसमंद), महवा (दौसा), छबड़ा (बारां) एवं बसेड़ी (धौलपुर) में पांच-पांच सेमी तथा कई अन्य स्थानों पर पांच सेमी से कम वर्षा हुई। पश्चिमी राजस्थान में भी कई स्थानों पर दो सेमी तक बारिश दर्ज की गई।

मौसम केंद्र (जयपुर) के अनुसार पूर्वी राजस्थान के अनेक स्थानों पर आगामी एक सप्ताह मानसून सक्रिय रहने तथा अधिकतर स्थानों पर बारिश जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कोटा, उदयपुर संभागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा एवं एक-दो स्थानों पर बहुत अधिक बारिश होने की संभावना है। भरतपुर, जयपुर, अजमेर, बीकानेर एवं जोधपुर संभागों के भी कुछ भागों में मध्यम और कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है।

इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर एवं बीकानेर संभागों के अनेक स्थानों पर 29 से 31 जुलाई तक बारिश में बढ़ोतरी होने तथा अनेक स्थानों पर हल्के से मध्यम एवं कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है।

राजस्थान में एक महीने में ऑनलाइन मिलेगा भूखंडों का पट्टा : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार भूखंडों का पट्टा जारी करने की प्रक्रिया को ऑनलाइन करेगी और नयी प्रक्रिया में आवेदक को एक महीने में पट्टा मिलेगा। नगरीय विकास व स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने यह जानकारी दी। खर्रा शुक्रवार रात विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग (मांग संख्या-39) एवं स्वायत्त शासन विभाग (मांग संख्या-40) की अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पट्टा जारी करने की प्रक्रिया को ऑनलाइन करके आवेदक को 30 दिन में पट्टा देना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पट्टे के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया में संबंधित निकाय आवेदन के 30 दिन के भीतर आवेदक को पट्टा जारी करेगा या निरस्त करेगा।

उन्होंने कहा कि आवेदन में कोई कमी-खामी होने पर नगरीय निकाय एक सप्ताह की अवधि में उसकी जानकारी आवेदक को देगा। उन्होंने कहा कि पट्टा निरस्त होने की स्थिति में आवेदक प्रशासनिक अधिकारियों की समिति के समक्ष पुनः आवेदन कर सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर गलत तरीके से पट्टा निरस्त करना पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि सफाईकर्मी भर्ती को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाएगा और राज्य के प्रमुख शहरों में इसी वर्ष से 500 ई-बसें संचालित की जाएंगी। सदन ने चर्चा के बाद नगरीय विकास एवं आवासन विभाग तथा स्वायत्त शासन विभाग की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी।

विद्यार्थी अब दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से भी कर सकेंगे कृषि व्यवसाय प्रबंधन में एमबीए की डिग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में विद्यार्थी अब दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से भी कृषि व्यवसाय प्रबंधन में एमबीए डिग्री हासिल कर सकेंगे, इसके तहत बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) सेंटर के जरिये दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से भी इस कोर्स को करने की सुविधा प्रदान कर दी है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने शनिवार को बताया कि कृषि व्यवसाय प्रबंधन में एमबीए की डिग्री अब तक केवल कृषि विश्वविद्यालयों में स्थापित आईएबीएम इंस्टीट्यूट में नियमित प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को ही मिल पाती थी। अब एसकेआरएयू राज्य का एकमात्र ऐसा कृषि विश्वविद्यालय है, जो इग्नू के जरिये यह कोर्स दूरस्थ शिक्षा से भी करवायेगा। इससे विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा मौका मिलेगा।

कृषि विश्वविद्यालय में इग्नू सेंटर के समन्वयक और भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाता राम ने बताया कि इग्नू सेंटर में यह कोर्स इसी शिक्षा सत्र से शुरू हो जायेगा। किसी भी विषय में स्नातक किया हुआ कोई भी विद्यार्थी इस कोर्स में प्रवेश ले सकेगा। प्रवेश की अंतिम तारिख 31 जुलाई है। विद्यार्थी अपना पंजीकरण और प्रवेश शुल्क ऑनलाइन ही जमा करवा सकेंगे।

डॉ दाता राम ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित इग्नू सेंटर को कुल आठ विभिन्न कोर्स चलाने की अनुमति मिली है, जिसमें कृषि व्यवसाय प्रबंधन में एमबीए के अलावा फूड एंड सेफ्टी क्वालिटी मैनेजमेंट में बीएससी एवं एमएससी, डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर कोस्ट मैनेजमेंट और डिप्लोमा इन न्यूट्रिशन एंड हेल्थ एजुकेशन ऐसे कोर्स हैं, जो पूरे राजस्थान में केवल एसकेआरएयू के इग्नू सेंटर पर ही शुरू किये गये हैं। उन्होंने बताया कि इन कोर्सेज के अलावा सर्टिफिकेट एन ऑर्गेनिक फार्मिंग, सर्टिफिकेट इन डिजास्टर मैनेजमेंट और डिप्लोमा इन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन के कोर्स भी शुरू किये गये हैं। सभी कोर्स के लिये फैकल्टी की व्यवस्था की जा चुकी है।

केन्द्र, राज्य सरकार का बजट विकसित भारत का विस्तृत रोड मैप है : चौधरी

अजमेर। केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का वर्ष 2024-25 का बजट विकसित भारत का विस्तृत रोड मैप है। इस बजट में विकसित भारत के लिये 2047 के लक्ष्य को भी सामने रखा गया है। चौधरी ने शनिवार को यहां पत्रकारों से बातचीत मे राज्य सरकार के बजट पर प्रकाश डालते हुये कहा कि इस बजट में सभी वर्गों के लिये प्रावधान किया गया है। यह समावेशी तथा सबके लिये हितकारी बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में देश के अन्नदाताओं का विशेष ध्यान रखा गया है । यह देश के अन्नदाताओं को समर्पित बजट है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट को गरीब, महिला, युवा तथा किसानों पर आधारित बजट बताया और कहा कि यह विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मददगार होगा।

उन्होंने कहा कि मोदी ने तीसरे कार्यकाल पर पद सम्भालते ही देश के साढ़े नौ हजार से ज्यादा किसानों को 20 हजार करोड़ से ज्यादा की किसान सम्मान निधि' जारी की। साथ ही एम.एस.पी. बढ़ाने का काम किया। बजट में किसानों के साथ फसलों के लिये भी अनेक प्रावधान किये गये हैं। गरीब को गणेश मानते हुये प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच सालों के लिये मान्यता दी गयी है।

चौधरी ने युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले पांच साल में चार करोड़ से ज्यादा युवाओं को रोजगार देने का काम किया जायेगा। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये उन्हें लाभकारी योजनाओं से जोड़ा गया है। उन्होंने राजस्थान के बजट की भी प्रशंसा की और कहा कि भजनलाल सरकार का बजट भी ऐतिहासिक रहा है, जिसमें सभी को साथ लेकर चलने का काम किया जायेगा। उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन की सरकार आने वाले 4-5 साल में प्रदेश की कायापलट कर देगी। इस अवसर पर राजस्थान देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, विधायक अनीता भदेल, शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, महापौर बृजलता हाडा आदि उपस्थित रहे।

नए भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है बजट : पंकज चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को कहा कि इस साल का बजट नए भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता को समर्पित है।

चौधरी ने 'एक्स' पर लिखा,'' गोरखपुर में बजट-2024 पर विशेष तौर पर आयोजित प्रेस वार्ता में (मैंने) मीडिया को संबोधित किया। किसान कल्याण, युवा सशक्तीकरण, महिला सशक्तीकरण, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा निर्माण पर बजट में किए गए प्रावधानों से (मैंने) अवगत कराया।'' उन्होंने कहा,'' यह बजट नए भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शिता एवं नए भारत के निर्माण को समर्पित है।''

चौधरी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि इस साल का बजट नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा, जीएसटी कम किया गया है और 'टैक्स स्लैब' में महत्वपूर्ण राहत दी गई है। 2024-25 के बजट का लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलना है, जिसमें चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है: महिलाएं, गरीब, किसान और युवा।'' उन्होंने कहा, यह बजट पूरी तरह से रोजगार और व्यापार को समर्पित है। इसे जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र को और विकसित करने के लिए बनाया गया है। इस साल के बजट में समाज के सभी क्षेत्रों और वर्गों को शामिल किया गया है।

बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच तुलना किये जाने की बात पर चौधरी ने सकारात्मक पहलुओं को उजागर न करने के लिए विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने कहा, रेल बजट सहित समग्र बजट में वृद्धि की गई है। विपक्ष को इन सुधारों को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभागवार विश्लेषण करने पर उत्तर प्रदेश को महत्वपूर्ण बजट आवंटन प्राप्त हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने दोहराया कि कृषि, शिक्षा और सेना सहित विभिन्न क्षेत्रों में बजट में वृद्धि की गई है, जो समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

ममता ने नीति आयोग की बैठक से बहिर्गमन किया; कहा-

मुझे बोलने से बीच में ही रोक दिया गया

सरकार ने उनके आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बनर्जी को बोलने के लिए दिया गया समय समाप्त हो गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की बैठक छोड़कर बाहर निकल आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की एकमात्र प्रतिनिधि होने के बावजूद उन्हें भाषण के दौरान बीच में ही रोक दिया गया। हालांकि, सरकार ने उनके आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बनर्जी को बोलने के लिए दिया गया समय समाप्त हो गया था।

बनर्जी ने कहा कि पांच मिनट के बाद उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया, जबकि आंध्र प्रदेश, गोवा, असम और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के मुख्यमंत्रियों को अधिक देर तक बोलने की अनुमति दी गई।

नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक से बाहर निकलने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने कहा, ''यह अपमानजनक है। मैं आगे से किसी भी बैठक में हिस्सा नहीं लूंगी।'' बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों ने शिरकत की।

तृणमूल के कई नेताओं ने बैठक में विपक्ष की एकमात्र प्रतिनिधि के साथ अनुचित व्यवहार करने के लिए सरकार पर निशाना साधा, वहीं 'इंडि' गठबंधन में शामिल अन्य दलों ने भी ममता बनर्जी का समर्थन किया। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनका बैठक से बीच में बाहर निकलना पूर्व नियोजित था और इसका उद्देश्य सुर्खियां बटोरना था।

कांग्रेस ने कहा कि ममता बनर्जी के साथ किया गया व्यवहार ''अस्वीकार्य'' है और आरोप लगाया कि नीति आयोग 10 साल पहले अपनी स्थापना के बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी के लिए ''ढोल पीटने'' वाले तंत्र के रूप में काम कर रहा है।

भाजपा ने ममता पर निशाना साधा

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकलने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की और दावा किया कि यह राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से किया गया एक ''नाटक'' था। भाजपा के राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह बनर्जी द्वारा तैयार की गई ''कमजोर पटकथा'' है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, ''नीति आयोग की बैठक में उन्हें उचित समय दिया गया। वह पश्चिम बंगाल के लोगों के आर्थिक लाभ के लिए बैठक में नहीं गई थीं, बल्कि राजनीतिक लाभ लेने और बाहर निकलकर नाटक करने गई थीं।'' समिक ने कहा, ''उन्होंने खुद को एक विपक्षी नेता के रूप में पेश किया, न कि एक प्रशासक के रूप में।''

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्यसभा सदस्य विकास रंजन भट्टाचार्य ने सवाल उठाया कि जब 'इंडि' गठबंधन में शामिल दलों के अन्य मुख्यमंत्रियों ने बैठक में भाग नहीं लिया तो बनर्जी ने बैठक में भाग क्यों लिया। उन्होंने दावा किया, ''उन्हें इसके परिणामों का पता था। उनके इस कदम से फिर से यह सिद्धांत सामने आता है कि वह नरेन्द्र मोदी के साथ कुछ समझौता करने के लिए दिल्ली गई थीं। लोगों को इस पूरे मामले के दिखावे का एहसास हो जाएगा।'' प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि बनर्जी अन्य विपक्षी दलों से परामर्श किए बिना बैठक में गईं।

सत्ता में आते ही 'अग्निपथ योजना' 24 घंटे में रद्द की जाएगी : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सेवानिवृत्त 'अग्निवीरों' के लिए आरक्षण की घोषणा किए जाने के एक दिन बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को दोहराया कि वह सत्ता में आते ही सैनिकों की भर्ती की इस अल्पकालिक 'अग्निपथ योजना' को 24 घंटे में रद्द कर देंगे।

अखिलेश यादव ने हाल में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान अपनी लगभग सभी रैलियों में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडि' (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) के सत्ता में आने पर 'अग्निवीर' भर्तियों को रद्द करने का वादा किया था। उन्होंने शनिवार को भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''सत्ता में आते ही 24 घंटे में (अग्निपथ योजना) रद्द होगी। उन्होंने इसे ''देश की सुरक्षा से समझौता करने वाली और सैनिकों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली भर्ती'' योजना बताया। उन्होंने सेना में भर्ती की पुरानी प्रक्रिया को बहाल किए जाने की मांग करते हुए कहा, '' 'अग्निवीर' पर यही मांग हमारी, पुरानी भर्ती की फिर हो बहाली।''

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एक बयान में कहा था कि सेवानिवृत्त अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी बल (प्रादेशिक आर्म्ड कांस्टेबुलरी) में महत्व (वेटेज) दिया जाएगा।

बैठक

प्रधानमंत्री ने शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता की।

बिहार में जीआरपी जवान ने रेल यात्री की पिटाई की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

समस्तीपुर (बिहार)/भाषा। बिहार में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवान ने ट्रेन में सवार एक व्यक्ति की इतनी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे हाल में हुई उसकी पेट की सर्जरी के बाद लगाये गये टांके टूट गये और उसकी आंतें बाहर आ गईं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

जीआरपी (मुजफ्फरपुर) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि यह घटना बृहस्पतिवार की शाम को उस समय हुई जब मुंबई जाने वाली कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन जनकपुर रोड रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी और यात्रियों के दो समूहों के बीच ट्रेन में सीट को लेकर बहस हो गई थी, जिसके बाद जीआरपी कर्मियों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

बयान में कहा गया है, ''इस विवाद ने तब भयानक रूप ले लिया जब सीट के लिए लड़ रहे यात्रियों के एक समूह ने जीआरपी कर्मियों की पिटाई कर दी और जवाबी कार्रवाई में उन्होंने (जीआरपी जवानों) यात्रियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।''

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान मोहम्मद फुरकान के रूप में हुई है, जिसकी कुछ दिन पहले पेट की सर्जरी हुई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि जीआरपी कर्मियों ने यात्रियों को तितर-बितर करने के लिए लाठियों का इस्तेमाल किया और एक पुलिसकर्मी ने फुरकान के पेट पर डंडे से हमला किया, जिससे उसकी आंतें बाहर निकल आईं।

'झूठ बोलकर मिली सफलता से गुब्बारे की तरह फूल गए हैं अखिलेश यादव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 'मोहरा' वाले बयान पर एक बार फिर मोर्चा खोलते हुए शनिवार को कहा कि जनता से झूठ बोलकर 2024 (लोकसभा चुनाव) में मिली सफलता से वह गुब्बारे की तरह फूल गए हैं।

मौर्य ने 'एक्स' पर शनिवार को पोस्ट किया, ''कांग्रेस के मोहरा सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव जी 2027 में पराजय निश्चित देख अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं।''

इसी पोस्ट में मौर्य ने कहा, ''जनता से झूठ बोलकर 2024 में मिली सफलता से वह गुब्बारे की तरह फूल गए हैं। उन्हें 2014/2017/2019/2022 (लोकसभा और विधानसभा चुनावों) में सपा की पराजय याद रखनी चाहिए। 2027 में 2017 दोहरायेंगे।''

उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव में केशव प्रसाद मौर्य के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए पार्टी और उसके सहयोगी दलों ने राज्य की 403 सीट में से 325 सीट पर जीत दर्ज की थी जबकि जबकि सपा 47 सीट पर सिमट गई थी। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन किया था जबकि 2022 के विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया था।

सपा प्रमुख यादव ने शुक्रवार को कहा था कि सुनने में आया है कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 'मोहरा' हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा था कि राज्य में भ्रष्टाचार इसलिए उजागर हो रहा है क्योंकि मौर्य जैसे कुछ लोग ''दिल्ली के वाई-फाई'' के 'पासवर्ड' बन गए हैं। मौर्य ने भी शुक्रवार को पलटवार करते हुए आरोप लगाया था कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव कांग्रेस का 'मोहरा' बन गए हैं।

केंद्र की हरकतों के कारण 'इंडि' गठबंधन के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की बैठक से बनाई दूरी : डी राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी. राजा ने शनिवार को नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक का बहिष्कार करने वाले मुख्यमंत्रियों के फैसले को उचित ठहराया और दावा किया कि उनके इस कदम की वजह केंद्र सरकार की कुछ हरकतें हैं।

राजा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने करों और धन का उचित बंटवारा नहीं किया है।

राजा ने यहां संवाददाताओं से कहा, नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने वाले मुख्यमंत्रियों के कुछ मुद्दे हैं। ये मुद्दे बहुत वास्तविक हैं। इसके लिए केंद्र सरकार के हरकतें जिम्मेदार हैं।

नीति आयोग की बैठक में विपक्षी गठबंधन 'इंडि' में शामिल दलों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा नहीं लिया जिनमें तमिलनाडु के स्टालिन (द्रविड़ मुनेत्र कषगम), केरल के पिनराई विजयन (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी), पंजाब के भगवंत मान (आम आदमी पार्टी), कांग्रेस के सिद्धरमैया (कर्नाटक), सुखविंदर सिंह सुक्खू (हिमाचल प्रदेश), तेलंगाना के रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन (झारखंड मुक्ति मोर्चा) के नाम शामिल हैं।

राजा ने संविधान में भारत को राज्यों के संघ के रूप में परिभाषित करने का जिक्र करते हुए कहा, इसका मतलब है कि केंद्र सरकार को सभी राज्य सरकारों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और करों व धन का उचित हिस्सा दिया जाना चाहिए, लेकिन केंद्र सरकार ऐसा नहीं कर रही है। राजा ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने वाले मुख्यमंत्रियों का समर्थन करते हुए कहा, संविधान में लिखा होने के बावजूद केंद्र सरकार ऐसा नहीं कर रही है। केंद्र सरकार की ओर से भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है और कुछ राज्यों को लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है। उनकी आवाज का सम्मान और उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार संघवाद को नहीं समझती।

राजा ने कहा, मोदी सहकारी संघवाद की बात करते हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच सहयोग कहां है? संघवाद कहां है? संघवाद सिर्फ राजनीतिक नहीं है,बल्कि राजकोषीय संघवाद भी हमारी संघीय शासन प्रणाली का अभिन्न अंग है। उन्होंने आरोप लगाया, मोदी सरकार इन सभी चीजों का सम्मान नहीं करती है।

राजा ने बताया कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद योजना आयोग को खत्म कर नीति आयोग का गठन किया गया। राजा ने कहा, नीति आयोग की क्या जरूरत है? संसद के रहते नीति आयोग कौन से नीतिगत फैसले ले सकता है? ये सभी सवाल हैं। इसलिए मुख्यमंत्रियों का इन सवालों को उठाना और अपना विरोध प्रदर्शित करना सही है।

निजी कोच की मांग करना खिलाड़ियों का अधिकार : विजेंदर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक प्रतियोगिताओं में महासंघ द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय कोचों के अलावा निजी कोचों की आवश्यकता है या नहीं, इस अंतहीन बहस में खिलाड़ियों का पक्ष लेते हुए ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज से राजनेता बने विजेंदर सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों को अपनी पसंद का सहयोगी स्टाफ मांगने का पूरा अधिकार है।

कई भारतीय खिलाड़ियों ने शुक्रवार से शुरू हुए पेरिस ओलंपिक में अपने निजी कोच को ले जाने का विकल्प चुना है जबकि दल में विभिन्न खेलों के राष्ट्रीय कोच मौजूद हैं जिससे इस बात पर बहस छिड़ गई है कि क्या ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है।

केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य विजेंदर ने यहां 'पीटीआई' के मुख्यालय में संपादकों से एक विशेष बातचीत में कहा, ''निश्चित रूप से, यह आवश्यक है। जब मैं (एमेच्योर सर्किट में) मुक्केबाजी करता था तो हमें इस मामले में पूरी आजादी दी जाती थी। इसलिए हमें मनचाहे कोच और अभ्यास के लिए साथी मिल गए।''

हरियाणा के इस 38 वर्षीय मुक्केबाज ने पेशेवर बनने से पहले 2006 से 2014 के बीच कई पदक जीते जिसमें 2008 बीजिंग ओलंपिक और 2009 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी शामिल है। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो रजत और एक कांस्य, एशियाई खेलों में एक स्वर्ण और एक कांस्य तथा एशियाई चैंपियनशिप में एक रजत और एक कांस्य पदक भी जीता है।

विजेंदर ने कहा, ''उन्होंने (अधिकारियों ने) कहा 'हम आपको वह देंगे जो आप चाहते हैं लेकिन हमें प्रदर्शन की आवश्यकता है'। और हमने दिया। 2006 से 2012 के बीच मैंने लगभग हर जगह प्रदर्शन किया और जीता। इसलिए मुझे लगता है कि ट्रेनिंग शिविर में खिलाड़ियों की मांगों को पूरा किया जाना चाहिए।''

उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में सभी सीट पर लड़ेगी आजाद समाज पार्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और नगीना से लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव में सभी सीट पर मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। उन्होंने यहां फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के सरायईनायत में एक जनसभा में कहा, नगीना की जिस जनता ने हमें आशीर्वाद दिया है, उन्हीं के बल पर हम 10 की 10 विधानसभा सीट पर उपचुनाव मजबूती से लड़ेंगे।

आजाद ने कहा, उत्तर प्रदेश में एक तरह का गुंडाराज चल रहा है जिसमें कहीं ठेलों पर नाम लिखवाया जाता है तो कहीं अधिकार मांगने पर लोगों को लाठियों से पीटा जाता है। यहां नौजवान रोजगार की आस में त्रस्त हैं और कोई सुनने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, पुलिस भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। परीक्षा दोबारा कराने की मांग किसी ने नहीं उठाई थी और मैंने ही बार बार यह मांग उठाई और अब लगता है कि राज्य सरकार जाग गई है।

आजाद ने कहा कि संविधान की वजह से वंचित तबके के लोग सम्मान का जीवन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक राजनीति में आपकी भागीदारी नहीं होगी, आपकी बात सदन में रखने वाला नहीं होगा, तब तक आपकी सुनवाई नहीं हो सकती।

आजाद ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का नाम लिए बगैर कहा कि उत्तर प्रदेश में कई ऐसी पार्टियां हैं जिनके विधानसभा में सदस्य हैं, लेकिन लोकसभा में एक भी सदस्य नहीं है जबकि आजाद समाज पार्टी का एक कार्यकर्ता आपके संघर्ष से लोकसभा में पहुंचा है।

दस ओलंपिक खेलने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनी जॉर्जिया की निशानेबाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेटोरॉक्स (फ्रांस)/एपी। जॉर्जिया की निशानेबाज नीनो सालुकवाजे कैरियर में दस ओलंपिक खेलने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई जो पहले सोवियत संघ के लिये खेलती थी ।

सालुकवाजे ने 1988 से हर ओलंपिक खेला है । उन्होंने 1988 में 19 वर्ष की उम्र में स्वर्ण पदक जीता था । वह पेरिस ओलंपिक में जॉर्जिया के लिये दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में उतरी ।

वह आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना सकी और क्वालीफिकेशन में 38वें स्थान पर रही । वह शुक्रवार को 25 मीटर पिस्टल में भी उतरेंगी ।

सालुकवाजे 1988 में सोवियत संघ के लिये खेली और सोवियत संघ के विघटन के बाद 1992 बार्सीलोना ओलंपिक में एकीकृत टीम के लिये खेली । पिछले आठ ओलंपिक वह जॉर्जिया के लिये खेली हैं ।

वह 2008 बीजिंग ओलंपिक में भी चर्चा में आई थी जब रूस ने कुछ समय के लिये जॉर्जिया से युद्ध लड़ा था। सालुकवाजे ने कांस्य पदक जीता था और रजत पदक जीतने वाली रूस की नतालिया पेडरिना को पोडियम पर गले लगाया था ।

रियो ओलंपिक 2016 में सालुकवाजे और उनके बेटे निशानेबाज टीसोने माचावारियानी ओलंपिक के इतिहास में एक ही समय खेलने वाले मां बेटे की पहली जोड़ी बने ।

ओडिशा से बीएसएफ की दो बटालियन जम्मू भेजीं गई

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने ओडिशा से 2,000 से अधिक कर्मियों वाली सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की दो बटालियन को भारत-पाकिस्तान सीमा पर आतंकवाद प्रभावित जम्मू क्षेत्र में तैनात करने का आदेश दिया है, ताकि वहां सुरक्षा बढ़ाई जा सके। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जम्मू क्षेत्र में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर दोनों इकाइयों को नक्सल विरोधी अभियान ग्रिड से तत्काल जम्मू स्थानांतरित करने का फैसला लिया गया। सुरक्षा प्रतिष्ठान के अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की इन दोनों इकाइयों को जम्मू क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पहले से अग्रिम पंक्ति पर तैनात इसकी इकाइयों के पीछे रक्षा की ''दूसरी पंक्ति'' के रूप में तैनात किया जाएगा, ताकि सीमा पार से आतंकवादियों की घुसपैठ और अंदरूनी इलाकों में इन तत्वों द्वारा किए जाने वाले हमलों को रोका जा सके। सूत्रों ने बताया कि इन दोनों इकाइयों के जवानों को सांबा और जम्मू-पंजाब सीमा के पास तैनात किया जाएगा।

सुविचार

नफरत सी होने लगी है इस सफ़र से अब, ज़िन्दगी कहीं तो पहुँचा दे ख़त्म होने से पहले।

ट्वीट

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने के बाद आज भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री आदरणीय श्री सुनील बंसल जी से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने मुझे प्रदेशाध्यक्ष के नव दायित्व हेतु शुभकामनाएं दी।

-मदन राठौड़

उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में उदयपुर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर हुए दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में चार लोगों की आकस्मिक मृत्यु होने का समाचार अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है।

-दीया कुमारी

कहानी

जब वह एक छोटा झुरमुट था तो छोटी-छोटी चिड़ियाँ आतीं और उसकी डालों पर बैठकर फुदकतीं। चीं-चीं-चीं-चीं बोलतीं और उड़ जातीं। तितलियाँ आतीं और उसकी पत्तियों को छूती हुई निकल जातीं। कई पंछी उसे अपनी रात का बसेरा-बसेरा बनाए हुए थे। कितने कीड़े-मकोड़े उसकी डालियों पर रेंगते या चलते। किशोरावस्था में ये सारी गतिविधियाँ और बढ़ गई और उसे यह सब बड़ा अच्छा लगने लगा, क्योंकि जिंदगी का हर अनुभव उसके लिए अभी नया-नया था। उसे दुनिया की सारी बात नई लगती। इन्हीं अनुभवों में कुछ अनुभव प्रिय होते, कुछ सामान्य, कुछ अप्रिय, कुछ पीड़ादायक। पंछी-प्राणियों का उसके पास आना, उसससे मिलना-जुलना उसे बहुत सुख पहुँचाता था। हवाएँ और हल्की धूप भी सुख देती थीं। प्रचंड सूर्य-किरणों से कष्ट तो होता था, परंतु वह उनसे जूझना सीख रहा था।

अंजना वर्मा

पेड़ का तबादला

सुदूर कहीं निर्जन में एक अनाम पेड़ था जिसे वहाँ के लोग अब तक पहचान नहीं सके थे। धरती की गहराई से एक जीवन निकला था - हरे रंग का जीवन, एक बिरवा। कोमल-कोमल दो चार पत्तियों को लेकर इठलाता हुआ। उसके भीतर पूरी जिजीविषा भरी हुई थी। वह अपने चारों ओर फैले निसर्ग को बड़े कौतूहल के साथ देखता, पहचानता और स्वीकार करता। उसे यह दुनिया बहुत प्यारी लगती थी और घटित होने वाली एक-एक बात उसे जीने के लिए प्रेरित करती थी। बच्चे की तरह वह अपने परिवेश को जानने और समझने की कोशिश करता था और एक-एक रहस्य पर से पर्दा उठाकर देखना चाहता था कि यह हो रहा है तो कैसे? यह क्या है? वह क्या है? इस तरह की जिज्ञासाओं की कमी न थी उसके दिल में। बीतते हुए हर दिन के साथ वह कुछ-न-कुछ नया सीखता था। कई बातें उसने गिरह बाँधकर रख ली थीं वे बातें जिनसे उसकी सुरक्षा जुड़ी हुई थी। ऐसे स्थावर होने के नाते उसकी बहुत सारी मजबूरियाँ थीं, पर उसे तो अपने अस्तित्व की सीमाओं के भीतर ही जीना था। अपने चारों ओर की संवेदनाओं को वह पूरी ऊर्जा के साथ ग्रहण करता था और उसके एहसास बहुत घने होते थे। जब वह सुखी होता तो हँस लेता, दुखी होता तो रो लेता। केवल बोल नहीं सकता था, चल नहीं सकता था। वह बाल-पेड़ बढ़ रहा था और उसे बढ़कर एक वृक्ष बना जाना था।

कालक्रम से वह बढ़ता भी गया। और जैसे-जैसे बढ़ता गया, वैसे-वैसे अपने चारों ओर के वातावरण, अपने साथी-समाज का ज्ञान उसे होता गया। वह धीरे-धीरे बहुत कुछ सोचने-समझने लगा कि दुनिया क्या है? अपने चतुर्दिक खड़े पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं को पहचानने लगा। मौसमों का आना-जाना भी समझने लगा, इस तरह कि ऋतुओं का पूर्वाभास भी उसे होने लगा। कब किस मौसम में उसके चारों ओर का परिवेश क्या रूप ले लेगा, उसे मालूम रहता था।

जब वह एक छोटा झुरमुट था तो छोटी-छोटी चिड़ियाँ आतीं और उसकी डालों पर बैठकर फुदकतीं। चीं-चीं-चीं-चीं बोलतीं और उड़ जातीं। तितलियाँ आतीं और उसकी पत्तियों को छूती हुई निकल जातीं। कई पंछी उसे अपनी रात का बसेरा-बसेरा बनाए हुए थे। कितने कीड़े-मकोड़े उसकी डालियों पर रेंगते या चलते। किशोरावस्था में ये सारी गतिविधियाँ और बढ़ गई और उसे यह सब बड़ा अच्छा लगने लगा, क्योंकि जिंदगी का हर अनुभव उसके लिए अभी नया-नया था। उसे दुनिया की सारी बात नई लगती। इन्हीं अनुभवों में कुछ अनुभव प्रिय होते, कुछ सामान्य, कुछ अप्रिय, कुछ पीड़ादायक। पंछी-प्राणियों का उसके पास आना, उससे मिलना-जुलना उसे बहुत सुख पहुँचाता था। हवाएँ और हल्की धूप भी सुख देती थीं। प्रचंड सूर्य-किरणों से कष्ट तो होता था, परंतु वह उनसे जूझना सीख रहा था। तब वह अपने पैरों से जमीन के कलेजे की सरसता टटोलने लगता और जमीन से ठंडक पाकर सूर्य से लड़ता। हाँ, आँधी से उसे कठिन पीड़ा होती। वह जैसे समूल उखाड़कर उसे नष्ट कर देना चाहती थी। उसकी डालियों को थप्पड़ लगाती, हिलाती-झुकाती, उड़ाने लगती। तब वह बेबस हो जाता। उसे भय लगता था तेज आँधियों से। वर्षा तो उसकी दोस्त थी। बचपन से उसे जीवन-दे रही थी, परंतु कभी-कभी वह भी क्यों दुश्मन बन आँधी का साथ देने लगती थी? यह बात उसकी समझ में नहीं आती थी।

उसके दिन बड़े मजे में गुजर रहे थे। उसके चारों ओर कई अन्य पेड़ थे और पैरों के पास हरी दूबों से भरी धरती थी जिसमें लड़के अपनी गायों और भेड़ों को लेकर चराने चले आते थे। उन चौपायों को वह निर्विकार भाव से निहारता। कोई-कोई गाय उसकी पत्तियाँ चर जाती तो उसे बहुत पीड़ा होती। वह सोचने लगता कि उस चरवाहे के पास दो हाथ हैं जिनसे वह अपनी रक्षा के साथ-साथ बहुत-कुछ कर सकता है यानी जो चाहे वही कर सकता है। उसके दो पैर भी हैं जिनसे वह चलकर कहीं से कहीं चला जा सकता है। उसे आश्चर्य होता कि कैसे इन्हीं दो पैरों पर वे अपने अस्तित्व को उठाए कहीं से कहीं पहुँच जाते हैं। यह सुख उन जैसे वृक्षों और पौधों को नहीं मिलता। उसके समान जो अन्य पेड़-पौधे हैं वे जमीन में गड़े हुए हैं और गतिशील नहीं हो सकते। उन्हें तो मजबूर होकर अपनी जगह के ही हवा-पानी में रहना है, उसी जमीन पर उसी जगह कीलित रहना है। खैर, यह तो प्रकृति का बना हुआ विधान है। जिसमें कोई इधर से उधर नहीं कर सकता। चलो, यदि उन सबों को जीना है तो इसी तरह जीना है।

वे चरवाहे अक्सर उसकी डालियों पर चढ़ जाते जिनका भार उठाना उसे बुरा नहीं लगता था, क्योंकि उसके पास जितनी शक्ति थी उसकी तुलना में उन बच्चों का, या कभी-कभी सयाने का भी भार क्या था? पर उनसे उसे खीझ होती थी कि बैठेंगे ठंडी छाँह में पर उसके प्रति कृतज्ञ होने के बजाय अपने ढोरों से चरवाएँगे उसकी पत्तियाँ! उफ! ये मनुष्य भी न... सिर्फ अपनी ओर से सोचते हैं। और मनुष्य ही क्यों? सब अपनी ओर से सोचते हैं। मनुष्य हर-हमेशा जीत इसलिए जाता है कि उसके पास कुटिल बुद्धि का अपरिमित खजाना है। यह सोचते ही अनाम पेड़ मुस्कुरा उठा।

पर उसके बाद से उसे मनुष्यों और चरने वाले पशुओं से डर लगने लगा कि न जाने कब मनुष्य उसे काट दे या पशु उसे चर जाएँ। पर वह कर कुछ नहीं सकता था। पैर तो थे नहीं जो जानवरों की तरह भाग सकता। मुँह तो था नहीं जो अपनी हँसी-व्यथा बयान कर सकता था या चिल्लाकर किसी को अपनी सहायता के लिए बुला सकता? सिर्फ सोच और समझ सकता था।

पर यह भी सच था कि उसे अपनी दुनिया बहुत अच्छी लगने लगी थी। एक दिन दो चरवाहे लड़के आए और उसकी छाया में बैठ कर बातें करने लगे। वह उन दोनों की बातें बड़े ध्यान से सुनने लगा। उनमें से एक ने कहा, मालूम है? शहर में पेड़ लगाए जा रहे हैं। उसके लिए पेड़ों को उखाड़-उखाड़कर मँगवाया जा रहा है।'

दूसरे ने कहा, ''हें... पेड़? पेड़ लगेंगे? कि पौधे लगते हैं?'' ''पेड़... पेड़! पेड़ लगाए जा रहे हैं। बड़े-बड़े पेड़।'' ''तो इन्हें उखाड़ेगा कौन?'' ''मशीन! ये मशीन से उखाड़ लिए जाते हैं और ट्रक पर लादकर ले जाया जाता है उन्हें। फिर रोप दिया जाता है।'' ''हाँ... ऐसा क्या?'' ''हाँ... ऐसा...! ऐसा होता है।'' दूसरे लड़के का मुँह आश्चर्य से खुला रह गया।

इधर यह सुनते ही अनाम पेड़ की पत्तियाँ हिलने लगीं। पेड़ भय से काँपने लगा। वह सोचने लगा क्या पता उसे भी उखाड़ लिया जाए? ना... ना...ऐसा न हो। ऐसा न हो... वह दिल में मनाने लगा। उसे उन दोनों लड़कों की बातों पर विश्वास हो गया था कि जब वे बोल रहे हैं तो सही ही बोल रहे हैं। अब वह डर के मारे सहमा-सहमा रहने लगा था। न हवा अच्छी लगती थी, न अपने माहौल की कोई अन्य चीज। बस एक ही चिंता समाई हुई थी कि कहीं उसे उखाड़ न लिया जाए। उस लड़के के शब्द याद आ रहे थे... ''हें! पेड़ लगेंगे कि पौधे लगते हैं?''

''पेड़... पेड़! पेड़ लगाए जा रहे हैं।''

''मशीन! ये मशीन से उखाड़ लिए जाते हैं... फिर रोप दिया जाता है।''

उसे दुख हुआ अपने अस्तित्व पर। उसके पास पैर नहीं... नहीं तो वह दौड़कर कहीं भाग जाता और छुप जाता।

और सचमुच वह दिन आ गया। उस दिन कुछ लोग आए और पेड़ों का चुनाव करने लगे। एक ने उसे देखकर कहा अरे! यह देखो तो? यह कौन-सा पेड़ है?'' कैसा खुबसूरत है? यहाँ इसे कौन देख रहा है?'' ''हाँ सचमुच! ऐसा पेड़ मैंने नहीं देखा। इसकी पत्तियों का कटाव देखो और इसका हरापन देखो। ...आखिर इसका नाम क्या है?'' ''पता नहीं क्या है? ...क्यों न इसे ही ले चलें?'' ''नहीं, कहीं यह विरल जाति का पेड़ है उखड़ने से कही सूख न जाए!''

नहीं इसे हम ध्यान से रोपेंगे और इसका ख्याल रखेंगे। यह सुनकर पेड़ रोने लगा। उसकी पत्तियाँ हिल-हिल कर छटपटाने लगीं। कुछ दिनों बाद वह ट्रक पर लदा हुआ भागा जा रहा था। बिना पैरों के ही दौड़ रहा था। गति... गति... गति... इतनी तेज गति। सारी पृथ्वी उसे घूमती हुई मालूम पड़ रही थी। उसे चक्कर आ रहे थे। एक जगह पहुँचकर रोपा गया उसे।

उसे दूसरी धरती मिली। बिना वर्षा के ही पानी मिल गया। अब वह खड़ा था एक सड़क के किनारे मनुष्य की गुलामी करता हुआ। उसकी सड़कों को ठंडक पहुँचाता हुआ। हरित महानगर के हरे सपने को पूरा करता हुआ। उसने कभी इस दिन की कल्पना भी न की थी। कहाँ पहले वह जी रहा था अपनी दुनिया में जहाँ उसे जरूरत न थी अन्य कुछ की। सब कुछ था उसके चारों ओर। अद्भुत प्रकृति और प्रकृति का लाड़-प्यार।

और कहाँ यह पंछियों और जीवों से शून्य लोहे और कंकड़-पत्थर की नगरी जहाँ रंग-बिरंगी गाड़ियाँ ही दौड़ रही थीं चारों ओर। उससे नजर उठी तो मनुष्य पर गई। कभी-कभार गायें और कुत्ते भी दिख जाते थे। परंतु सब जैसे अपनी मंजिल से दूर दीन-हीन बने भटक रहे हों। वह कहाँ आ गया था? यह कौन सी दुनिया थी? वह याद करता पंछियों को, छोटे-छोटे प्राणियों को। पंछी यहाँ भी थे, पर ये दूसरे किस्म के थे। फिर वह हरी-भरी दुनिया, ठंडी बहती हुई हवा, उसकी छाया में सुस्ताते चौपाए, गरीब चरवाहे। उसके भाई-बंधु, आत्मीय पेड़-पौधे सब सपने हो गए। सड़क के किनारे खड़ा, वह प्रतिपल अपने अतीत को याद करता रहता था।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्

।। चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम्।।

गुरु द्वारा परिचय पूछे जाने पर बाल्यावस्था में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य द्वारा दिया गया उत्तर निर्वाण षटकम् कहलाया। वेद और वेदांतों का मानो सार है निर्वाण षटकम्। इसका पहला श्लोक कहता है,

मनोबुद्ध्यहङ्कार चित्तानि नाहं
न च श्रोत्रजिह्वे न च घ्राणनेत्रे ।
न च व्योम भूमिर्न तेजो न वायुः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ।।

मैं न मन हूँ, न बुद्धि, न ही अहंकार्। मैं न श्रवणेंद्रिय (कान) हूँ, न स्वादेंद्रिय (जीभ), न घ्राणेंद्रिय (नाक) न ही दृश्येंद्रिय (आँखें)। मैं न आकाश हूँ, न पृथ्वी, न अग्नि, न ही वायु। मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ , मैं शिव हूँ।

मनुष्य का अपेक्षित अस्तित्व शुद्ध आनंदमय चेतन ही है। आनंद से परमानंद की ओर जाने के लिए, चिदानंद से सच्चिदानंद की ओर जाने के लिए साधन है मनुष्य जीवन।

सर्वसामान्य मान्यता है कि यह यात्रा कठिन है। असामान्य यथार्थ यह कि यही यात्रा सरल है। इस यात्रा को समझने के लिए वेदांतसार का सहारा लेते हैं जो कहता है कि अंत:करण और बहि:करण, इंद्रिय निग्रह के दो प्रकार हैं्। मन, बुद्धि और अहंकार अंत:करण में समाहित हैं्। स्वाभाविक है कि अंत:करण की इंद्रियाँ देखी नहीं जा सकतीं, केवल अनुभव की जा सकती हैं्। संकल्प- विकल्प की वृत्ति अर्थात मन, निश्चय-निर्णय की वृत्ति अर्थात बुद्धि एवं स्वार्थ-संकुचित भाव की वृत्ति अर्थात अंहकार्। इच्छित का हठ करनेवाले मन, संशय निवारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाली बुद्धि और अपने तक सीमित रहनेवाले अहंकार की परिधि में मनुष्य के अस्तित्व को समेटने का प्रयास हास्यास्पद है।

बहि:करण की दस इंद्रियाँ हैं्। इनमें से चार इंद्रियों आँख, नाक, कान, जीभ तक मनुष्य जीवन को बांध देना और अधिक हास्यास्पद है। सनातन दर्शन में जिसे अपरा चेतना कहा गया है, उसमें निर्वाण षटकम् के पहले श्लोक में निर्दिष्ट आकाश, भूमि, अग्नि, वायु, मन, बुद्धि, अहंकार जैसे स्थूल और सूक्ष्म दोनों तत्व सम्मिलित हैं्। अपरा प्रकृति केवल जड़ पदार्थ या शव ही जन सकती है। परा चेतना या परम तत्व या चेतन तत्व या आत्मा का साथ ही उसे चैतन्य कर सकता है, चित्त में आनंद उपजा सकता है, चिदानंद कर सकता है।

आनंद प्राप्ति में दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। दृष्टिकोण में थोड़ा-सा परिवर्तन, जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन लाता है। मनुष्य का अहंकार जब उसे भास कराने लगता है कि उसमें सब हैं, तो यह भास, उसे घमंड से चूर कर देता है। दृष्टिकोण में परिवर्तन हो जाए तो वह धन, पद, कीर्ति पाता तो है पर उसके अहंकार से बचा रहता है। वह सबमें खुद को देखने लगता है। सबका दुख, उसका दुख होता है। सबका सुख, उसका सुख होता है। वह 'मैं' से ऊपर उठ जाता है।

यूँ विचार करें करें कि जब कोई कहता है 'मैं' तो किसे सम्बोधित कर रहा होता है? स्वाभाविक है कि यह यह 'मैं' स्थूल रूप से दिखती देह है। तथापि यदि आत्मा न हो, चेतन स्वरूप न हो तो देह तो शव है। शव तो स्वयं को सम्बोधित नहीं कर सकता। चिदानंद चैतन्य, शव को शिव करता है और जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के शब्द सृष्टि में चेतनस्वरूप की उपस्थिति का सत्य, सनातन प्रमाण बन जाते हैं्।

इसीलिए कहा गया है, 'शिवोहम्',..मैं शिव हूँ..'मैं' से शव का नहीं शिव का बोध होना चाहिए्। यह बोध मानसपटल पर उतर आए तो यात्रा बहुत सरल हो जाती है। यात्रा सरल हो या जटिल, इसमें अभ्यास की बड़ी भूमिका है। अभ्यास के पहले चरण में निरंतर बोलते, सुनते, गुनते रहिए, 'शिवोऽहम्।'

बोध कथा

रंग-बिरंगे नाखून

एक बार की बात है, राजा कृष्णदेव राय के दरबार में एक बहेलिया आया। बहेलिये को देख राजा काफी खुश हुए, क्योंकि राजा को पशु-पक्षी बहुत प्यारे थे और बहेलिया एक रंग-बिरंगा सुंदर पक्षी दरबार में लेकर आया था। दरबार में आकर बहेलिया बोला, 'महाराज, मैं कल ही इस खूबसूरत और विचित्र पक्षी से जंगल से पकड़कर लाया हूं। यह बहुत सुरीला है और तोते की तरह बात कर सकता है। साथ ही यह मोर की तरह नाच भी सकता है। आपको पशु-पक्षी बहुत पसंद हैं, इसलिए मैं इस पक्षी को आपके पास बेचने के लिए लाया हूं।'

महाराज काफी खुश हुए और बोले, 'देखने में तो यह पक्षी खूबसूरत नजर आ रहा है। मैं इसे जरूर खरीदूंगा और तुम्हें उचित इनाम भी दिया जाएगा।' यह कहकर राजा ने बहेलिये को 50 सोने के सिक्के दिए और पक्षी को शाही बगीचे में रखने का आदेश भी दिया। यह देख तेनालीराम से रहा न गया और उसने उठकर कहा, 'महाराज मुझे नहीं लगता है कि यह पक्षी मोर की तरह नाच सकता है। मुझे तो यह भी लगता है कि यह पक्षी कई सालों से नहाया तक नहीं है।'

यह सुनते ही बहेलिया घबरा गया और रोने वाला मुंह बनाकर बोला, 'महाराज मैं बहुत ही गरीब बहेलिया हूं। पंछियों को पकड़कर और उन्हें बेचकर ही मेरा घर चलता है। जितना मैं पशु-पक्षियों को जानता हूं, उसे प्रमाण की जरूरत नहीं है और न ही शक किया जाना चाहिए्। बेशक, मैं गरीब हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि तेनाली राम जी मुझे गरीब कहेंगे?'

यह बात सुनकर महाराज भी तेनाली राम पर नाराज हुए्। उन्होंने तेनाली से कहा, 'क्या तुम अपनी इस बात को साबित कर सकते हो?' इतने में तेनाली ने कहा, 'हां, महाराज मैं साबित कर सकता हूं।' ऐसा कहते हुए तेनाली एक जग में पानी भकर ले आए और पिंजरे में बंद पक्षी पर डाल दिया। ऐसा करते ही दरबार में बैठा हर कोई आश्चर्यचकित होकर पक्षी की तरफ देखने लगा। राजा भी पक्षी को देखकर चौंक गए्।

तेनाली राम ने जैसे ही पक्षी पर पानी डाला, उस पर लगा सारा रंग उतर गया। पिंजरे में बंद पक्षी का रंग हल्का भूरा हो गया। राजा चौंक कर तेनाली की तरफ देखने लगे। तेनाली ने झट से राजा से कहा कि 'महाराज यह एक जंगली कबूतर है न कि कोई विचित्रि पंछी।' महाराज ने तेनाली से पूछा, 'तेनाली तुम्हें इस बात का कैसे पता चला कि इस पक्षी को रंगा गया है?'

तेनाली ने जवाब दिया कि 'महाराज बहेलिये के नाखूनों पर गौर करें्। बहेलिये के रंगीन नाखून और पक्षी का रंग एक जैसा ही है। इस बात से यह पता चल जाता है कि बहेलिये ने पक्षी को रंगा था।' यह सब देखकर बहेलिया वहां से भागने ही वाला था कि सैनिकों ने उसे पकड़ लिया। राजा ने उसे जेल में बंदी बनाने का आदेश दिया और उसके सोने के सिक्के तेनालीराम को दे दिए।

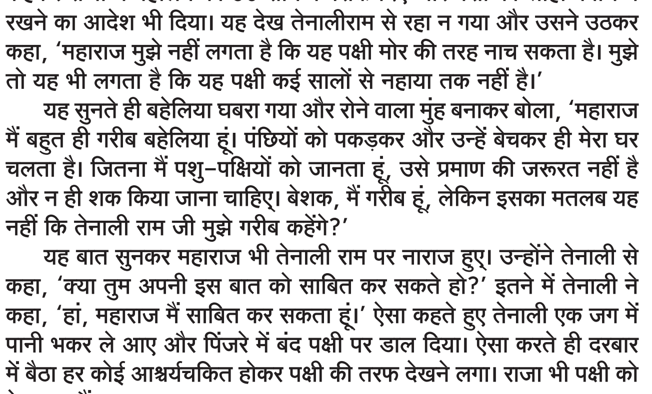

वीर गाथा

लांस नायक प्रेमपाल: साथियों की जान बचाने के लिए खुद को किया कुर्बान

लांस नायक प्रेमपाल का जन्म माता रामप्यारी देवी और पिता वीरशाय के घर में हुआ था। उत्तर प्रदेश के बदायूं से आने वाले प्रेमपाल को खेलकूद और जोशीले मुकाबलों में भाग लेना काफी पसंद था। उनकी यह रुचि उन्हें भारतीय सेना में ले गई। उन्हें 19 गढ़वाल राइफल्स में शामिल किया गया था।

27 जुलाई, 1998 को लांस नायक प्रेमपाल जम्मू-कश्मीर में एलओसी स्थित अपनी पोस्ट में तैनात थे। अचानक उनकी निकटवर्ती पोस्ट पर पाकिस्तान की ओर से भारी गोलीबारी होने लगी। प्राय: दुश्मन ऐसी गोलीबारी तब करता है, जब उसे अपने आतंकवादियों को घुसपैठ के लिए इधर धकेलना हो। दुश्मन की इस हरकत का पता लगते ही लांस नायक प्रेमपाल और साथी जवानों ने जवाबी गोलीबारी की। प्रेमपाल जानते थे कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए बड़े स्तर पर गोलाबारी की जरूरत है। वे स्वचालित ग्रेनेड लांचर को भरने की कोशिश कर रहे थे कि उनकी जांघ में एक छर्रा लग गया।

गंभीर रूप से घायल हुए प्रेमपाल ने कोशिशें जारी रखीं और दुश्मन को भरपूर जवाब मिलने लगा। दोपहर लगभग 01.45 बजे पोस्ट में रखे केरोसिन भंडार पर दुश्मन का एक गोला गिरा, जिसके कारण आग गोला-बारूद के बंकरों की ओर फैलने लगी।

इससे भारतीय सैनिकों को बड़ा नुकसान हो सकता था। यह देखकर प्रेमपाल बिना एक पल गंवाए आग को नियंत्रित करने के लिए उस ओर गए्। इसी दौरान उन्हें दुश्मन की ओर से चलाई गई गोली लगी।

इसके बावजूद प्रेमपाल नहीं रुके। वे आग बुझाने में सफल रहे। जब वे रेंगते हुए वापस आ रहे थे तो एक गोले के निशाने पर आ गए्। इससे वे तुरंत वीरगति को प्राप्त हो गए्।

लांस नायक प्रेमपाल ने सैन्य सूझबूझ, कर्तव्य परायणता और प्रतिबद्धता दिखाई्। उन्होंने साथियों की जान बचाने के लिए खुद को कुर्बान कर दिया। यही भारतीय सेना की महान परंपरा है। उन्हें 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ओलंपिक

पेरिस में शनिवार को भारतीय दल फ्रांस में 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह से पहले तस्वीरों के लिए पोज़ देते खिलाड़ी।

केंद्रीय बजट में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की है दूरदृष्टि : मंडाविया

रायपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'टोकन' में नहीं बल्कि 'टोटल' (समग्र) रूप से सोचते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट, 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के विकास पर केंद्रित है।

यहां भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रदेश कार्यालय में 'मोदी 3.0 के केंद्रीय बजट' पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि इस बजट में झलकती है। उन्होंने कहा, मोदी जी की सोच बजट में झलकती है। वह 'टोकन' में नहीं, बल्कि 'टोटल' रूप से सोचते हैं। मोदी जी ने अमृत काल का विजन दिया है कि हम कैसे समावेशी तरीके से देश को आगे ले जा सकते हैं।

मंडाविया ने कहा कि मोदी जी ने आजादी के 100 साल पूरे होने पर देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है और कहा है कि जब आप कुछ लक्ष्य निर्धारित करते हैं तो आपको उन्हें प्राप्त करने के लिए रास्ते तय करने होते हैं। उन्होंने कहा, ''जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तो उन्होंने कहा था कि हम देश को 21वीं सदी में ले जाएंगे, लेकिन उन्होंने वहां तक पहुंचने का रास्ता तय नहीं किया। 21वीं सदी का नारा केवल नारा ही बनकर रह गया है। लेकिन अब मोदी जी ने कहा है कि देश को 2047 तक विकसित बनाया जाएगा और इसके साथ ही उन्होंने विजन दिया कि लक्ष्य हासिल करने के लिए चार जातियों – 'गरीब', 'अन्नदाता', 'महिलाएं' और 'युवा' के सशक्तीकरण के लिए काम करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए, इन चार वर्गों के विकास के लिए बजट में महत्वपूर्ण आवंटन किए गए हैं, जिससे 'विकसित भारत' के सपने को साकार किया जा सके। मंडाविया ने कहा कि केंद्रीय बजट युवा और रोजगार केंद्रित है तथा इसमें युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए प्रावधान किए गए हैं। उनका कहना था कि राज्य सरकार द्वारा आईटीआई चलाए जा रहे हैं जिन्हें केंद्र सरकार को कौशल केंद्र बनाएगी तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि एक करोड़ युवाओं का कौशल विकास किया जाएगा और अगले पांच वर्षों में चार करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में सड़क, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है।

सरकार आने वाले दिनों में चीनी का एमएसपी बढ़ाने पर फैसला करेगी : खाद्य सचिव

मुंबई/भाषा। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने शनिवार को कहा कि सरकार अगले कुछ दिनों में चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी पर फैसला ले सकती है। ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन (एआईएसटीए) के एक सम्मेलन में उन्होंने कहा, ''हम एमएसपी प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे हैं। आने वाले दिनों में उम्मीद करते हैं कि हम कोई फैसला लेंगे।''

गन्ना किसानों को दिए जाने वाले उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में वार्षिक बढ़ोतरी के बावजूद, चीनी का एमएसपी 2019 से 31 रुपये प्रति किलोग्राम पर बना हुआ है।

नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (एनएफसीएसएफ) सहित उद्योग निकायों ने सरकार से बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को संचालन बनाए रखने में मदद करने के लिए एमएसपी को कम से कम 42 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ाने का आग्रह किया है।

चोपड़ा ने कहा कि 2024-25 सत्र (अक्टूबर-सितंबर) के लिए चीनी उत्पादन आशाजनक दिख रहा है, जिसमें पिछले साल की समान अवधि के 57 लाख हेक्टेयर से बढ़कर अब तक 58 लाख हेक्टेयर तक गन्ने की बुवाई हो चुकी है।

चीनी सत्र 2023-24 में चीनी उत्पादन 3.2 करोड़ टन होने का अनुमान है, जो पिछले सत्र के 3.28 करोड़ टन से कम है, लेकिन 2.7 करोड़ टन की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

इससे पहले, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खाद्य सचिव ने कहा कि कृषि मंत्रालय विभिन्न उपज से एथनॉल बनाने के लिए पानी की जरूरतों का मूल्यांकन करने के लिए अनुसंधान कर रहा है।

नवी मुंबई में चार मंजिला इमारत ढहने से तीन लोगों की मौत, दो लोगों को बचाया गया

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में नवी मुंबई के सीबीडी बेलापुर इलाके में शनिवार तड़के चार मंजिला एक आवासीय इमारत के ढह जाने की घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा तड़के करीब चार बजकर 50 मिनट पर शाहबाज गांव में हुआ और दो घायलों को मलबे से निकाला गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में अधिक लोगों की जान जा सकती थी लेकिन सुबह इमारत में दरारें देखे जाने के बाद उसमें रह रहे 52 अन्य निवासियों को बाहर निकाल लिया गया था।

नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) के आयुक्त कैलाश शिंदे ने बताया, ''आज तड़के चार मंजिला एक इमारत ढह गई, जिसमें 13 कमरे और तीन दुकानें थीं। इमारत ढहने के बाद मलबे में फंसे एक पुरुष और एक महिला को बचा लिया गया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और नगर निगम के दमकल कर्मियों ने बचाव अभियान शुरू किया। दोपहर के करीब मलबे से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया जबकि कुछ घंटों बाद दो अन्य शव बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मोहम्मद मिराज अल्ताफ हुसैन (30), मिराज सैफ अंसारी (24) और शफीक अहमद रहमत अली अंसारी (28) के रूप में की गयी है। उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया है।

नगर निगम आयुक्त के अनुसार, यह इमारत 10 साल पुरानी ही थी और घटना की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी।

एनएमएमसी के मंडलीय दमकल अधिकारी पुरुषोत्तम जाधव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''तड़के वहां रह रहे कुछ लोगों ने इमारत में दरारें देखी थीं, जिसके बाद उन्होंने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और 13 बच्चों सहित 52 निवासियों को इमारत से बाहर निकाल लिया। इसके तुरंत बाद ही इमारत ढह गई।''

जाधव के अनुसार, घटना के बाद सुबह करीब छह बजे मलबे से दो लोगों – लाल मोहम्मद (22) और रुखसाना (21) को सुरक्षित निकाला गया। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को मलबे में एक और व्यक्ति के फंसे होने की जानकारी मिली, जिसके बाद बचाव दल ने उसके मोबाइल फोन पर कॉल किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

जाधव के मुताबिक, बचाव दल को यह भी पता चला कि इमारत ढहने के समय व्यक्ति के दो दोस्त भी उसके साथ थे।

एनडीआरएफ अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान में खोजी कुत्तों की भी मदद ली जा रही है।

रणवीर की नई फिल्म को लेकर उत्साहित हैं दीपिका पादुकोण

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने पति रणवीर सिंह की नयी फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म में अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल की भी अहम भूमिक हैं।दीपिका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल स्टारर निर्देशक आदित्य धर की अगली एक्शन थ्रिलर फिल्म का पोस्टर साझा किया। उन्होंने पोस्टर के साथ एक ब्लैक हार्ट इमोजी लगाया है।

इससे पूर्व रणवीर सिंह ने अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म की आधिकारिक घोषणा अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर साझा कर दी।रणवीर सिंह ने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, यह मेरे प्रशंसकों के लिए है, जो मेरे साथ बहुत धैर्य रखते हैं और इस तरह के मोड़ के लिए शोर मचा रहे हैं। मैं आप सभी से प्यार करता हूं और मैं आपसे वादा करता हूं कि इस बार, एक ऐसा सिनेमाई अनुभव मिलेगा जो पहले कभी नहीं हुआ। आपके आशीर्वाद के साथ, हम इस शानदार, बड़े मोशन पिक्चर एडवेंचर को उत्साही ऊर्जा और शुद्ध इरादे के साथ शुरू करते हैं। इस बार, यह व्यक्तिगत है। बताया जा रहा है कि इस फ़िल्म का निर्माण जियो स्टूडियो की ज्योति देशपांडे और लोकेश धर और आदित्य धर ने अपने बैनर बी62 स्टूडियो के तहत किया है। इस फिल्म की शूटिंग अब आधिकारिक रूप से शुरू हो चुकी है।

कैंसर से जूझ रही हिना खान घर पर कर रही गार्डनिंग

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस हिना खान मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। उन्हें तीसरी स्टेज का ब्रेस्ट कैंसर है। उनका ट्रीटमेंट चल रहा है। इस मुश्किल पल से वह बेहद बहादुरी से लड़ रही हैं और अपनी लाइफ को खूब एन्जॉय कर रही हैं। वह अपने आप को किसी न किसी काम में बिजी रख रही हैं। वह घर पर गार्डनिंग कर रही हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में अपने घर पर गमले में उगी हल्दी का एक वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, घर पर उगाई गई प्योर हल्दी''। एक अन्य स्टोरी में, एक्ट्रेस ने अपने खाने की प्लेट की एक तस्वीर शेयर की, जिसपर टाइटल दिया ठनी दर चोखबार। बता दें कि ठनी दर चोखबार एक बंगाली फ्रेज है, जिसका मतलब है- माता-पिता का प्यार। एक अन्य वीडियो में हिना हाथों में तस्बीह लेकर नमाज पढ़ रही है।

हाल ही में हिना खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ मिरर सेल्फी शेयर की थी, जिसमें दोनों एक फैशन आउटलेट के अंदर नजर आ रहे थे। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने रॉकी के लिए लिखा था, आप बेस्ट हैं। अल्लाह आपको हमेशा खुश रखे। मेरी ताकत। हिना खान के करियर पर नजर डालें तो, उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत स्टार प्लस के सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से की थी। शो में उन्होंने संस्कारी बहू अक्षरा का किरदार निभाया और घर-घर मशहूर हुईं। वह 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 8', 'बिग बॉस 11' और 'बिग बॉस 14' में भी हिस्सा रहीं। उन्होंने 'कसौटी जिंदगी की 2' और 'नागिन 5' जैसे शो भी किए। हिना ने फिल्मों में डेब्यू किया। उनकी पहली फिल्म 'हैक्ड' 2020 में रिलीज हुई, जिसे ऑडियंस ने काफी पसंद किया। इसके अलावा, 'विश लिस्ट', 'अनलॉक' और 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' में नजर आ चुकी हैं।

हिना ने शॉर्ट फिल्म 'स्मार्टफोन' में भी काम किया है। उन्होंने कई हिट म्यूजिक वीडियो भी दिए, जिसमें 'रांझणा', 'हमको तुम मिल गए', 'बारिश बन जाना' और 'बरसात आ गई' जैसे सॉन्ग्स शामिल हैं। हाल ही में हिना ने गिप्पी ग्रेवाल स्टारर फिल्म 'शिंदा शिंदा नो पापा' के जरिए पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों की तारीफें बटोरी। उनके पास 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' है।

फिल्म 'घुसपैठिया' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय की आने वाली फिल्म 'घुसपैठिया' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

फिल्म 'घुसपैठिया' की कहानी डिजिटल दुनिया के खतरों पर

प्रकाश डालती है, तथा इसमें स्टॉकिंग और ऑब्सेशन जैसे खतरों पर प्रकाश डाला गया है। फिल्म घुसपैठिया में उर्वशी रौतेला एक उत्साही गृहिणी की भूमिका में हैं जो सोशल मीडिया के प्रति दीवानी है, कहानी उसके आकर्षण और उसके प्रभावों पर केंद्रित है, जो अप्रत्याशित मोड़ के साथ एक गहरी कहानी का खुलासा करती है। विनीत कुमार सिंह एक दृढ़ पुलिसवाले की भूमिका में हैं, जबकि अक्षय ओबेरॉय एक दिलचस्प स्टॉकर की भूमिका में हैं। उर्वशी रौतेला ने कहा, फिल्म घुसपैठिया में उनका किरदार चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प दोनों है। फिल्म का हर पल मनोरंजक है।

फिल्म देखने आने वाले सभी दर्शकों के लिए हर पल काफी मनोरंजक होगा। यह हमारी निर्देशक सुसी गणेशन की ताकत है।वह इस फिल्म पर दिन-रात अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमें आपके आशीर्वाद की आवश्यकता है। सुसी गणेशन द्वारा निर्देशित 'घुसपैठिया' का निर्माण एम. रमेश रेड्डी, ज्योतिका शेनॉय और मंजरी सुसी गणेशन ने किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी सेतु श्रीराम ने की है, जबकि संगीत अक्षय मेनन और सौरभ सिंह ने दिया है। 'घुसपैठिया' 09 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बैठक

5-नई दिल्ली में शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक से बाहर आती हुई।

मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म 'उलझ' और संगीत को प्यार देंगे : जाह्नवी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि दर्शक फिल्म उलझ और उसके संगीत को प्यार देंगे। बहुप्रतीक्षित थ्रिलर ड्रामा उलझ का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। जान्हवी कपूर, रोशन मैथ्यू, निर्देशक सुधांशु सरिया, संगीतकार शाश्वत सचदेव, गायक जुबिन नौटियाल की मौजूदगी में एक इवेंट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जान्हवी ने गाना 'शौकन' का हुक स्टेप किया और फिल्म के अपने वायरल डायलॉग के बारे में भी बात की। जान्हवी कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि उलझ का ट्रेलर देखने के बाद इस फिल्म के हर पहलू में जो कुछ भी नज़र आता है, उससे कहीं ज़्यादा है। उलझ निश्चित रूप से कुछ ऐसी है, जब मैंने स्क्रिप्ट सुनी, तो यह अप्रत्याशित था। जब आप सभी 2 अगस्त को सिनेमाघरों में फिल्म देखेंगे, तो आपको उम्मीद से बिल्कुल अलग महसूस होगा। उम्मीद है कि हम जिस चीज़ के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं, उससे मैं बहुत खुश, रोमांचित, मनोरंजन और उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म और संगीत को प्यार देंगे। रोशन मैथ्यू ने कहा, उलझ के ट्रेलर और पहले गाने शौकन को मिल रही प्रतिक्रिया देखकर मैं रोमांचित हूं। 'उलझ' पर काम करना बहुत मजेदार रहा है। फिल्म का संगीत इसके लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसे बेहद जुनून के साथ तैयार किया गया है। मैं इसे एक साथ देखकर बहुत उत्साहित हूं। प्रतिक्रिया को देखते हुए, मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म और इसके संगीत को वह प्यार देंगे जो इसे एक बड़ी सफलता बनाएगा। मुझे खुशी है कि मुझे सुधांशु और पूरी टीम के साथ काम करने का मौका मिला – यह एक मजेदार सफर रहा और मुझे उम्मीद है कि जब हम रिलीज करेंगे तो यह सब वैसा ही होगा। निर्देशक सुधांशु सरिया ने कहा, उलझ जैसी फिल्मों के लिए एक खास तरह की जरूरत होती है। आप जो देशभक्ति ऑनस्क्रीन दिखा रहे हैं, वह संगीत के मामले में दर्शकों द्वारा सुनी जाने वाली चीज के साथ भी महत्वपूर्ण है। हमने सामूहिक रूप से एक बेहतरीन मिश्रण बनाने की कोशिश की है। हमने संगीत के विभिन्न फ्लेवर को एक साथ लाया है, और गाने बहुत ही दर्शकों के अनुकूल हैं। 'शौकन' कुछ ऐसा है जो क्लबों और पार्टियों में बजाया जाएगा, यह जेन जेड और मिलेनियल के लिए बहुत अनुकूल है, जबकि 'ऐ वतन' एक देशभक्ति गीत है जो सभी आयु वर्ग के दर्शकों को पसंद आएगा। मुझे बस उम्मीद है कि लोग इसे पसंद करेंगे, और मैं शाश्वत, नेहा और जुबिन और सभी संगीत कलाकारों को फिल्म में उनके संगीत के साथ जादू करने के लिए धन्यवाद देता हूं। जुबिन नौटियाल ने कहा, शाश्वत के साथ काम करना हमेशा शानदार होता है। उनकी रचनाएँ हमेशा नई होती हैं और उनमें कुछ अलग होता है। थोड़ा गलत और शौकन पर काम करना एक शानदार अनुभव था। गाने पर काम करने वाले सभी लोग, अभिनेताओं से लेकर निर्देशन, रचना सब कुछ एकदम सही है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह पसंद आएगा और मुझे ऐसे और गाने गाने का मौका मिलेगा। शाश्वत सचदेव ने कहा, उलझ का संगीत दर्शकों की आत्मा के साथ प्रतिध्वनित होने का लक्ष्य रखता है, जिसमें देशभक्ति, रोमांच और रोमांस का सार समाहित है। हमने एक अनूठा श्रवण अनुभव प्रदान करने के लिए विभिन्न शैलियों के साथ प्रयोग किया है जो फिल्म की कथा को पूरक बनाता है। जंगली पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत उलझ में जान्हवी कपूर, गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, मेयांग चांग, राजेश तैलंग, आदिल हुसैन और जितेंद्र जोशी की अहम भूमिका है। यह फिल्म 02 अगस्त को रिलीज होगी।

'सपने सुहाने लड़कपन के' की को-स्टार रूपल त्यागी से मिलीं महिमा मकवाना

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस महिमा मकवाना बेहद टैलेंटेड हैं और टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से हैं। हाल ही में एक इवेंट में वह 'सपने सुहाने लड़कपन के' की को-स्टार रूपल त्यागी से मिलीं। एक्ट्रेस ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि उन्होंने इसकी उम्मीद नहीं की थी। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर महिमा ने रूपल के साथ सेल्फी शेयर की, जिसमें वह येलो कलर की टी-शर्ट में नजर आईं। वहीं, रूपल ने रेड कलर की हॉल्टर ड्रेस पहनी हुई थी। सेल्फी शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने टाइटल में लिखा, ऐसा रीयूनियन जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी! रचना और गुंजन... बहुत दिनों बाद आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा! रूपल ने भी अपनी खुशी साझा करते हुए लिखा, 'सपने सुहाने लड़कपन के' के लिए एक ट्रीट है! रचना और गुंजन की मुलाकात बहुत दिनों बाद हुई! यह कितना प्यारा एहसास था। महिमा, मैं तुमसे बहुत प्रभावित हूं। तुम कितनी प्यारी हो।

इसके बाद रूपल ने रेड हार्ट वाली इमोजी शेयर की। 'सपने सुहाने लड़कपन के' जी टीवी पर प्रसारित होता था। यह शो 2012 से 2015 तक चला। इसका आखिरी एपिसोड 23 जनवरी 2015 को ऑन एयर हुआ था। इसमें अंकित गेरा, पीयूष सहदेव, अलीहसन तुराबी, अंकित भारद्वाज, हर्ष राजपूत और आंचल खुराना जैसे कलाकार लीड रोल में थे। यह दो बहनों की कहानी थी। रचना हर वक्त डरी सहमी रहने वाली लड़की थी, तो वहीं गुंजन दबंग और मस्तीखोर स्वभाव की थी। 'मोहे रंग दे' से टीवी पर डेब्यू करने वाली महिमा ने 'सीआईडी', 'आहट', 'मिले जब हम तुम', 'सवारे सबके सपने... प्रीतो' और 'दिल की बातें दिल ही जाने' में काम किया। एक्ट्रेस ने 2017 में तेलुगु फिल्म 'वेंकटपुरम' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वह तेलुगु टेक्नो-थ्रिलर 'मोसागल्लू' में भी नज़र आ चुकी हैं।

महिमा ने सलमान खान स्टारर और महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित 2021 की एक्शन फिल्म 'अंतिम: द फ़ाइनल ट्रुथ' से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसमें वह एक्टर आयुष शर्मा के अपोजिट नजर आईं। उन्हें अंतिम बार कॉमेडी-ड्रामा 'तुमसे ना हो पाएगा' और वेब सीरीज 'शोटाइम' में देखा गया है। महिमा जल्द ही 'प्रोजेक्ट लव' में दिखाई देंगी। रूपल 'कसम से' और 'एक नई छोटी सी जिंदगी' जैसे शो में नजर आईं। लेकिन लोकप्रियता 'सपने सुहाने लड़कपन के' से मिली। उन्हें पिछली बार 'रंजू की बेटियां' में देखा गया था।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के तहत तेरापंथ भवन गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में 'विक्ट्री विथ बैलेंस' विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु अलसूर जैन संघ के तत्वावधान में अलसूर महिला मंडल ने गुरु पूर्णिमा एवं आचार्यश्री आनन्दऋषिजी की 125 वीं जयंती के स्मरणार्थ मामुलपेट स्थित सरकारी प्राथमिक एवं उच्च पाठशाला के 50 विद्यार्थियों को मंडल की अध्यक्ष आशाबाई बोहरा के नेतृत्व में पाठशाला की गणवेश उपहार स्वरूप भेंट किए। मंत्री चंचल आच्छा ने धन्यवाद दिया।

स्वास्थ्य शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा 25वें कारगिल विजय दिवस के मौके पर गायत्री उद्यान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 59 लोग लाभान्वित हुए। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरडिया, जयंतीलाल गाँधी, विनोद कोठारी एवं रवि चौधरी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

मन को वश में करने वाला नर से नारायण बन जाता है : साध्वीश्री सुधाकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी ने आगमों का विवेचन करते हुए क़हा कि संवेग व निर्वेग में अन्तर को बताते हुए कि निर्वेग से मन को वश में करके आत्मा को मोक्ष की ओर मोड़ देती है,जहां मन के वेग की भावना, इच्छा की भावना समाप्त हो जाये उसे निर्वेग कहते हैं। कषाय व तृष्णा से विरक्ति यही निर्वेग है,जो निर्वेग को प्राप्त कर ले वह नर से नारायण बन जाता है। साध्वी सुयशाजी द्वारा प्रति शनिवार व रविवार को प्रातः 6.30 बजे से अलग अलग विषयों पर क्लास ली जा रही हैं। शनिवार को 'मनुष्य को गुस्सा क्यों आता है' विषय पर चर्चा हुई। संघ अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर ने सभी का स्वागत किया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने 2 अगस्त को केवलमुनिजी म. सा की जयंती सामायिक दिवस के रूप मे एवं 4,5 अगस्त को आचार्य आनंदऋषिजी का 125 वाँ जन्मोत्सव तथा साध्वीश्री सुधाकंवरजी का जन्मदिन भक्तामर स्तोत्र जाप एवं आंयबिल दिवस के रूप मे मनाया जाएगा। इस मौके पर पूनम भलगट एवं मनोरीबाई गन्ना के अट्ठाई तप पूर्ण करने पर गौतमचंद दक परिवार द्वारा रजत सिक्कों से सम्मान किया गया। इस मौके पर मागड़ी रोड़ अध्यक्ष किशोरलाल दलाल, शांतिनगर संघ से उत्तमचंद बांठिया,जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय मार्ग दर्शक सुरेशचंद छल्लानी, सम्पतलाल ढ़ीलीवाल आदि ने दर्शन, प्रवचन का लाभ लिया। संघ के कोषाध्यक्ष सुरेशचंद खाब्या ने धन्यवाद दिया।

परमात्मा और उनकी आज्ञा की प्रतिष्ठा मन मन्दिर में करना चाहिए : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि वीतराग परमात्मा की देशना वीतरागता को प्राप्त करने के लिए पूर्ण जाग्रत अवस्था में हमें श्रवण करनी है। जिनवाणी को श्रवण करने के लिए हमें पात्रता लानी होगी और पात्रता आने से ही जिनवाणी हमारे अन्दर हृदयंगम होगी। जिनवाणी हमारे अन्दर उतरते ही जिनाज्ञा स्वरुप आचरण करना नहीं पड़ता बल्कि अपने आप वैसा आचरण ही हमारे द्वारा होगा। धर्म क्रिया करने के पश्चात हमारी विचारधारा कैसी होती है इसका हमें अवलोकन करना है। प्रभु को मन्दिर में प्रतिष्ठित करना तो सरल है लेकिन परमात्मा और उनकी आज्ञा की प्रतिष्ठा मन मन्दिर में करना बहुत कठिन है, जब ऐसा हो जाएगा तो हमारी कृपणता दूर होकर उदारता का प्रवेश हमारे जीवन में हो जाएगा। जो व्यक्ति जीवन में जिनाज्ञा का पालन, सदाचार और् शीलव्रत का पालन करता है एवं किसी पर झूठा कलंक नहीं लगाता ऐसे व्यक्ति ही संसार को छेदकर मोक्ष पद को प्राप्त करता है।

साध्वी श्री मुद्रांजनाश्रीजी म. सा. ने कहा कि इस दुनिया में तीन तरह की औषधि है। पहली से रोग हो तो रोग दूर हो जाता है और पुष्टि देती है, दूसरी रोग हो तो दूर करने के साथ कोई दूसरे तरह का पुष्टि नहीं देती है और तीसरी रोग नहीं होने पर लेने से दूसरे रोग उत्पन्न हो जाते हैं। इसी तरह पहली औषधि की तरह धर्म भी हमारी आत्मा के दुर्गुणों को दूर करने के साथ ही आत्मा को तारने का काम करता है। धर्म ध्यान और विरती की साधना करने से ही हमारी आत्मा का कल्याण होगा और सिद्धि रुपी फल की प्राप्ति होगी। बिना विरति और साधना के आत्मा का उत्थान सम्भव नहीं है।

गुरु आत्मा से परमात्मा की ओर ले जाते है : साध्वीश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट में चातुर्मास विराजित धर्मसूरीश्वरजी समुदाय की साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी एवं ज्ञेयदर्शाश्रीजी ने प्रवचन में कहा कि प्रभु भक्ति और गुरु भक्ति का प्रभाव अपूर्व होता है। प्रभु भक्ति से आत्मा भयानक कर्म से मुक्त होकर परमानंद सुख की प्राप्ति करती है और गुरु से भक्ति करते करते अनेक दुष्ट कर्म मुक्त होकर चिदानंद अपूर्व सुख की प्राप्ति करता है। जिसके जीवन में गुरु नहीं उसके जीवन शुरु नहीं। जीवन में एक आध्यात्मिक गुरु होना आवश्यक है। गुरु आत्मा से परमात्मा की ओर ले जाते है।

मानवता सभी धर्मों का प्राण और धर्मों की जन्मभूमि हैं : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने गुरु मिश्री दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को मानवता को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि मानवता के गुण के बिना व्यक्ति का जीवन शून्य हैं। मानवता सभी धर्मों का प्राण हैं और सभी धर्मी की जन्मभूमि हैं। मानवता का गुण जगत में इंसान को साधारण से असाधारण निम्न से उच्च और दानव से महामानव बनाता है। अपने-पराए का भाव, किसी को अपने से हीन, तुच्छ समझना, अपने धन-सम्पदा, ऐश्वर्य शक्ति-बल का अभिमान व्यक्ति के जीवन में दुसरे के प्रति एक- दूसरे के मन में, आत्मा में विचारों में एक संकीर्ण भेद की दिवारों को खड़ा कर देती हैं और राग-द्वेष को जन्म देती हैं। साध्वी श्री ने कहा कि अनेक संप्रदायों का होना समाज में कोई बुरी बात नहीं हैं। संप्रदाय संघ व्यवस्था के लिये हैं लेकिन उसमें संकीर्णता, संप्रदायवाद का होना, एक-दूसरे के प्रति छोटी सोच सम्मान का अभाव, अपने को दूसरे से अलग दिखाने की होड़, स्वयं की श्रेष्ठ और बाकी सभी को साधारण, हेय समझना, यह मानवता का गुण नहीं हो सकता हैं और मानव की मन की छोटी सोच की दर्शाता है।

साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि चार अंगों की प्राप्ति मानव की संसार में मिलना बहुत दुर्लभ है, मनुष्यत्त्व अर्थात मानवता, जिनवाणी का श्रवण, श्रद्धा और चौची बात संयम में पुरुषार्थ- पराक्रम। आज व्यक्ति आकृति से इंसान बन गया है पर प्रकृति तरह से इंसान अभी तक नहीं बन पाया है। मच्छर की हवा में उड़ना सीख लिया, मछली की तरह पानी में तैरना सीख लिया। पर अफसोस की बात अभी तक पृथ्वी पळ मानव इंसानियत के गुणों से कोसों दूर हैं। दया, करूणा, मैत्री, सहयोग, क्षमा के गुणों को धारण करके ही इंसान अपने की सच्चा मानव कहलाने का अधिकारी बन सकता हैं। मंत्री सुरेशकुमार धोका ने धर्मसभा का संचालन किया।

धर्म हमेशा स्वच्छ मन के साथ करें : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बावीस सम्प्रदाय जैन संघ, गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि हम धर्म स्वच्छ मन के साथ करें्। मैला मन साधना को परिणाम तक नही पहुंचा सकता हैं। साधना का प्रयास अनवरत होना चाहिए्। साधना में थकान नहीं आनी चाहिए। हमारा व्यवहार अनुकरणीय होना चाहिए। निंदनीय प्रवृत्तियों से साधक को बचना चाहिए्। संसार में व्यवहार कुशलता बहुत जरूरी हैं्। पाप करके या किसी को नीचा गिरा के खुश होना इंसानियत नहीं है। आगम में यह रौद्रध्यान बताया है। कटाक्ष कर के हंसी उड़ाना निंदनीय हैं। राक्षस वृति, शोषण वृति, अहंकार आदि शोभनीय नही है। हमारे अंतर्मन में समता का प्रवाह होना चाहिए।

आवश्यक सूत्र पर प्रवचन श्रृंखला में मुनि श्री ने कहा कि ज्ञान किसी की बपौती नहीं है। हम सत्य और सही को जानते हैं किंतु पूर्वाग्रह के कारण छुपने का आलंबन ढूंढते हैं। पूर्वजों को तो मानते हैं किंतु पूर्वजों की मानते नही है। हम आराधक बने क्योंकि विराधक प्रशंसनीय नही होते हैं। राजू सकलेचा ने सभा का संचालन किया। संघ अध्यक्ष लालचंद मांडोत एवं मंत्री संपतराज मांडोत ने आगुंतकों का स्वागत किया।

शत्रुंजय तप के 450 तपस्वियों ने लिया पच्चखाण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट में प्रवर्तक मुनिश्री बोधिप्रभविजयजी व निर्मोहप्रभविजयजी और साध्वीश्री अरिहंतप्रभाश्रीजी तथा नगरथपेट, माधवनगर, राजाजीनगर, शांतिनगर, मागड़ी रोड, केंटोनमेंट, त्यागराजनगर और गाँधीनगर में विराजित साधु-

साध्वीजी की उपस्थिति में चिकपेट के सोहन हॉल में शत्रुंजय तप के तकरीबन 450 तपस्वियों को चौमुखी भगवान समक्ष उच्चारण कराया गया। तपस्वियों के आगमन के साथ ही लाभार्थियों द्वारा तपस्वियों का म्मान किया तथा संतों ने तपस्वियों को शत्रुंजय तप का पच्चखाण दिया गया व मांगलिक सुनाया। संतों ने कहा कि इस तप में 7छठ, 2अट्ठम और 9 बियासने आते है। इस तप को करने से कई गुणा पुण्य की प्राप्ति होती है। संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। गोपाल भाई व उनकी टीम ने संगीत की प्रस्तुति दी। संघ के श्रावक श्राविकाओं ने व्यवस्था संभाली।

व्यक्ति के जीवन में सत्संग से ही सुधार होगा : संतश्री हरिदास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विश्वकर्मा जांगिड़ सुथार समाज के

विश्वकर्मा भवन में चल रहे चातुर्मास सत्संग के दौरान कबीर आश्रम अटपड़ा के संत हरिदास महाराजजी ने भक्तमाल कथा में अजामिल का जीवन चरित्र सुनाते हुए कहा कि व्यक्ति के जीवन में सत्संग से ही सुधार होगा वर्तमान समय में मानव समाज में कुसंग बहुत हावी हो रहा है इसलिए व्यक्ति को कुसंग से दूर रहकर सदा सत्संग करना चाहिए। साथ ही साथ व्यक्ति को अपने आहार व्यवहार और विचारों को भी शुद्ध रखना चाहिए। शनिवार को कथा में जांगिड़ समाज के सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

शरीर, वाणी व मन का संतुलन जीवन का सार है : साध्वीश्री उदितयशा

जीतो नार्थ लेडीज विंग ने साध्वीश्री के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के तहत तेरापंथ भवन गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में 'विक्ट्री विथ बैलेंस' विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि विषय पर-संतुलन वाला ही विजय प्राप्त कर सकता है। संतुलन जीवन का सार है मूलभूत आधार है। संतुलन हो शरीर का, वाणी का, मन का। उड़ने के लिए आकाश सदा खुले है केवल पंख खोलने है। उड़ान कितनी ही ऊँची हो कदम सदा ज़मीन पर रहे। अपने कर्तृत्व का सिंहावलोकन करते रहे। आगे बढ़ते हुए आत्मनिरीक्षण करते रहे। साध्वीश्री ने कारगिल विजय दिवस पर कहा कि विजय दिवस शहीदों के बलिदान का दिन है। उन्होंने बलिदान दिया विजय प्राप्त की। बलिदान बिना विजय प्राप्त नहीं, समर्पण बिना बलिदान संभव नहीं। नींव में पत्थरों का बलिदान होता है तभी सुंदर भवन बनता है। छैनी की मार से तराशा हुआ पत्थर मूर्ति बनता है। गाड़ी का संतुलन भी ज़रूरी, प्रकृति के हर नियम में संतुलन होना चाहिये। बिना संतुलन दिया तले अंधेरा है। साध्वी भव्ययशा जी ने छोटे-छोटे प्रायोगिक प्रशिक्षण के माध्यम से एवं अनुप्रेक्षा द्वारा बताया कि जीवन में हर कोई सफलता चाहता है जो भीतर में आनंद की अनुभूति के साथ हो। हम जो प्राप्त कर रहे है उसे बैलेंस करना सीखे। स्वयं को जीतना है तो स्वयं पर नियंत्रण आना चाहिए्। साध्वी संगीतप्रभा जी ने ध्यान करवाया एवं कार्यशाला का संचालन किया। साध्वी संगीतप्रभाजी,भव्ययशाजी,शिक्षाप्रभाजी द्वारा गीत प्रस्तुत किया।

जीतो लेडीज विंग पदाधिकारियों ने श्रमण आरोग्यम फ़ॉर्म साध्वीश्री को भेंट किए। साध्वीश्री ने श्रमण आरोग्यम योजना की सराहना और कहा कि जीतो संस्था मानव जाती हेतु अनेकों आयामों पर सुदृढ़ता से कार्य कर रही है। साधु-साध्वी की सेवा दर्शन और प्रेरणा पाथेय हेतु एकजुट होकर आना अच्छा लक्ष्य है। इस आयोजन में संयोजिका सुमन सिंघवी ने जीतो संस्था एवं प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के बारे में बताया। सह-संयोजिका संतोष सोलंकी ने पदाधिकारियों का परिचय दिया। साउथ विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी ने शुभकामना दी। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर अध्यक्ष रिजू डूँगरवाल एवं मंत्री ज्योति संचेती ने जीतो अध्यक्ष रायसोनी का सम्मान किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में जीतो लेडीज विंग व तेरापंथ महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित थीं। नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने आभार ज्ञापन किया।

मैसूर में कॉमर्स कॉलेज के निर्माण की हुई घोषणा

विद्यादृष्टि एज्युकेशन ट्रस्ट और जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में बनेगा कॉलेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के आशीर्वाद से मैसूर में कॉमर्स कॉलेज का निर्माण होने जा रहा है। विद्यादृष्टि एज्युकेशन ट्रस्ट और जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रस्तावित यह ज्ञानकेन्द्र जैन आगम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के नाम से आगामी वर्ष से समाज को अपनी सेवाएं देने लगेगा। शनिवार को नजरबाद स्थित बुद्धि-वीर वाटिका में आयोजित समारोह में आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने दोनों ट्रस्टों के पदाधिकारियों को कॉलेज के भूमिपूजन का शुभ मुहूर्त प्रदान किया। मंगल मंत्रों के साथ जैनाचार्य ने मुहूर्त की घोषणा की। इस अवसर पर कॉलेज के स्वप्नदृष्टा हिमांशु आच्छा, मिथिल पगारिया, कांतिलाल चौहान और प्रवीण दांतेवाड़िया ने बताया कि चालीस हजार वर्ग फुट भूमि पर बनने जा रहा यह भूतल सहित पांच मंजिला कॉलेज करीब 2000 विद्यार्थियों की शिक्षा-दीक्षा का श्रेष्ठ केंद्र बनेगा। दूसरे कॉलेजों की अपेक्षा इसकी फीस कम होगी। हर वर्ष मैसूर शहर और जिले से हजारों विद्यार्थी कॉमर्स की अच्छी पढ़ाई के लिये दूसरे शहरों में निर्गमन करते हैं। ऐसे करीब 2500 से अधिक विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के साथ हुए लंबे विचार-विमर्श के बाद जैन आगम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के निर्माण की रूपरेखा बनी है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बताया कि भारतीय संस्कृति और मानवीय जीवन मूल्यों की शिक्षा देना भी इस कॉलेज का एक प्रमुख उद्देश्य है। देश के दूसरे राष्ट्रपति सर्वेपल्ली राधाकृष्णन के विचारों को उदृत करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जो मनुष्य के चरित्र का निर्माण करें। ऐसी शिक्षा ही जीवन को सुख-शांति प्रदान कर सकती है। पढ़-लिखकर मात्र जानकारियां एकत्रित करना ही हमारा उद्देश्य नहीं होना चाहिये, संपूर्ण जीवनविज्ञान को समझकर मानवीय जीवन मूल्यों का जतन करते हुए आगे बढ़ना ही मनुष्य जीवन की सफलता है। गुरुकुलों की प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति का यही उद्देश्य था, अंग्रेजी परतंत्रता के काल में हम उसे खो चुके हैं। उसका बहुत भारी नुकसान हम भुगत रहे हैं। अब हमें संगठित होकर पुनः उस परंपरा की ओर लौटना होगा।

सुनीता अग्रवाल बनी इनर व्हील की जंक्शन की अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सुनीता अग्रवाल को इनर व्हील बेंगलूरु जंक्शन का अध्यक्ष चुना गया। 31 जुलाई को लेवैले रोड स्थित रोटरी सभागार में 7वें अध्यक्ष के तौर पर कार्यभार संभालेंगी। कार्यक्रम में 2024-25 के लिए 48वें डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन, मास्टर भी शामिल होंगे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com